Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 1

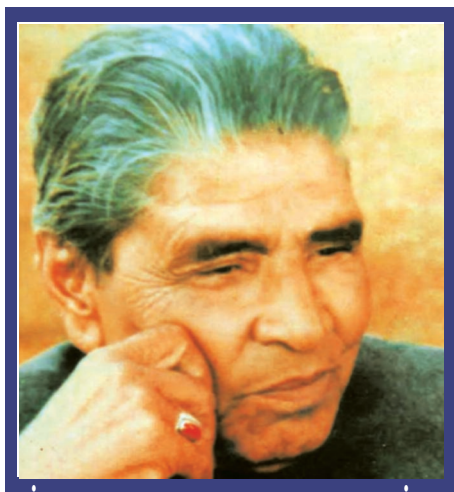

संस्थापक सम्पादक : स्व. जगत प्रकाश संग

तटस्थ तरंग

R.N.I. Title Code No.HARHIN11555
Dated 06-01-2024
सम्पादक: ज्योति संग

योगेन्द्र यादव

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष: 1 अंक : 10 फरीदाबाद, शनिवार, 27 जनवरी से 09 फरवरी 2024 टेलिफोन 9999100867 ईमेल: haryanatarang1@gmail.com पृष्ठ संख्या : 14 मूल्य: 5 रुपए

वेद, पुराण, शास्त्र, उपनिषद्
जिस भू-खण्ड का गुण-गान करते हैं
जो ऋषि-मुनियों और तपस्वियों की धरती है
मैं उस देव-भूमि
भारत
को
शत-शत नमन करता हूँ
अशोक साहनी साहिल
गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

हां मौजों ने हज़ारों बार परखा है मिरे घर को
मैं साहिल हूँ , है रक्खा मैंने, ठोकर पर समन्दर को

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 2

अब हरियाणा अपराधियों के लिए असुरक्षितः डीजीपी

चंडीगढ़ : हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक (एसीबी) ने भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों के ख़िलाफ़ लगातार शिकंजा कस रही है। पिछले साल 152 ट्रैप लगाए गए, जो पिछले दस सालों में सबसे ज़्यादा थे। इस दौरान 30 गज़ेटेड अधिकारी, 156 अन्य अधिकारी व 40 निजी व्यक्तियों को दबोचा गया। इनके पास से 86,12,300 रुपये बरामद किए गए। इनमें 53 मामले शिकायतों व पूछताछ के आधार पर दर्ज किए गए। इस तरह औसतन हर महीने 16 सरकारी कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ़्तार किया गया है। यह खुलासा एसीबी प्रमुख चीफ़ शत्रुजीत कपूर ने किया। उन्होंने इस मौके पर 24 शिकायतकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र भेंट करते हुए सम्मानित किया गया। कपूर ने कहा कि इन शिकायतकर्ताओं की वजह से भ्रष्ट कर्मचारियों को पकड़ा जा चुका है। उन्होंने बताया कि तीन साल से ज्यादा वक्त से लंबित करीब 90 शिकायतों की जांच पूरी की गई है। इन जांचों में 65 गजस्टेड अधिकारियों, 69 अन्य अधिकारियों और 113 निजी लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने के लिए कहा गया है, जबकि शेष 37 जांचों में

आरोप सिद्ध न होने के चलते इन्हे बंद कर दिया गया। इसके साथ ही, ब्यूरो द्वारा 10 तकनीकी रिपोर्टों को सरकार के पास भेजा गया है जिसमें 9 गज़ेटेड अधिकारियों, 5 अन्य अधिकारियों के ख़िलाफ़ विभागीय कार. ंवाई के लिए लिखा गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कोई व्यक्ति सरकारी काम करने की एवज़ में रिश्वत की मांग करता है तो तुरंत उसकी सूचना हेल्पलाइन नंबर– 18001802022 और 1064 अथवा व्हाट्सएप नंबर– 9417891064 पर दें। शत्रुजीत कपूर ने बताया कि भ्रष्ट अधिकारियों के ख़िलाफ़ बढ़ रही कार्रवाई में सरकार का अहम रोल रहा है। कि उन्होंने बताया कि भ्रष्ट लोक सेवकों की संपत्ति को अटैच करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इसमें एक मामले में कार्रवाई की गई है। वहीं, सरकार ने सरकारी अधिकारियों द्वारा रिश्वत की मांग करने वाले पीड़ित लोगों को 'ट्रैप मनी' प्रदान करने के लिए एक रिवॉल्विंग फंड की स्थापना को मंजूरी दी जा चुकी है।

गवाह न मुकरें, एसीबी ने उठाया यह कदम

एसीबी के कई केसों में गवाह मुकर जाते हैं। इसलिए केस कमज़ोर पड़ जाते हैं। अदालत में सज़ा दिलाने के मामले में एसीबी का सक्सेस रेट करीब 47.5 फ़ीसदी है। उन्होंने बताया कि गवाह न मुकरे इसके लिए उन्होंने कई कदम उठाए हैं, जिनमें शिकायतकर्ता से लिखित में शिकायत ली जाती है। गवाही की आडियो व वीडियो बनाई जाती है। साथ अदालतों में उनकी गवाही रिकॉर्ड की जाती है।

ईडी की चार्जशीट में प्रियंका का नाम

नई दिल्लीः अपने नवीनतम आरोप पत्र में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच में प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ–साथ उनके पति रॉबर्ट वाड्रा का भी नाम लिया है। जबकि संघीय एजेंसी ने मामले में कई बार रॉबर्ट वाड्रा का नाम लिया है, यह पहली बार है जब प्रियंका गांधी का नाम उसके किसी आरोपपत्र में आया है। इस मामले में भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी, एनआरआई व्यवसायी सीसी थम्पी और दिल्ली स्थित रियल एस्टेट एजेंट एचएल पाहवा सहित कई व्यक्ति शामिल हैं।

बता दें कि इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा और प्रियंका गांधी वाड्रा को आरोपी नहीं बनाया गया है, लेकिन प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में आरोपी रॉबर्ट वड्रा और एनआरआई बिजनेसमैन सीसी थम्पी के बीच कनेक्शन स्थापित किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग चार्जशीट में प्रियंका गांधी का नाम, क्या है मामला?

संघीय एजेंसी के अनुसार, रॉबर्ट वाड्रा और प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिल्ली स्थित रियल एस्टेट एजेंट एचएल पाहवा के माध्यम से हरियाणा में ज़मीन ख़रीदी । उसी एजेंट ने एनआरआई व्यवसायी सीसी थंपी को भी ज़मीन बेची, जिसके बारे में एजेंसी का दावा है कि उसका रॉबर्ट वाड्रा के साथ लंबा और गहरा रिश्ता है जो सामान्य और व्यावसायिक हितों तक फैला हुआ है।

"इस मामले में जांच के दौरान, यह पाया गया कि सीसी थम्पी और रॉबर्ट वाड्रा के बीच एक

लंबा और गहरा रिश्ता मौजूद है। न केवल व्यक्तिगत सौ. हार्दपूर्ण बंधन बल्कि उनके बीच सामान्य और समान व्यावसायिक हित भी पाए जाते हैं, यह हिंदुस्तान टाइम्स के अनुसार ईडी की चार्जशीट में कहा गया है।

आरोपपत्र में कहा गया है कि सीसी थम्पी ने भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी की मदद की, जो भारतीय एजेंसियों द्वारा मनी–लॉन्ड्रिंग, विदेशी मुद्रा और काले धन कानूनों के उल्लंघन जैसे कई मामलों में वांछित था, 2016 में यूके भागने में मदद की और अपराध की आय को छुपाया।

एजेंसी ने यह दावा करते हुए रॉबर्ट वाड्रा और सीसी थम्पी के बीच एक कनेक्शन निकाला है कि उन दोनों ने एक ही ब्रोकर एचएल पाहवा के माध्यम से ज़मीन ख़रीदी थी। आरोप पत्र में कहा गया है कि पाहवा ने सौदे से अप्रत्याशित लाभ कमाया और रॉबर्ट वाड्रा ने बिक्री की पूरी राशि का भुगतान नहीं किया। आरोपपत्र में कहा गया है कि एचएल पाहवा ने अप्रैल 2006 में कृषि भूमि भी प्रियंका गांधी वाड्रा को बेची थी, जिसे फरवरी 2010 में वापस खरीदा गया।

कोरोना की वजह से शादी मुल्तवी हुई थी

न्यूज़ीलैंड की पूर्व पीएम जेसिंडा ने की शादी

एजेंसी : न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न शनिवार को एक निजी समारोह में अपने लंबे समय के साथी क्लार्क गेफ़ोर्ड के साथ शादी के बंधन में बंध गई। उनकी सगाई लगभग पांच साल पहले हुई थी और कोविड महामारी के चलते विवाह में देरी हुई। यह समारोह न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंग्टन से 325 किलोमीटर (200 मील) दूर सुंदर दृश्य वाले हॉक्स बे क्षेत्र में एक शानदार अंगूर के बगीचे में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम पर इस जोड़े ने बारीकी से नज़र रखी थी। इस शादी में केवल परिजन, करीबी दोस्त और अर्डर्न(43) के पूर्व सहयोगी सांसदों को

आमंत्रित किया गया था। इनमें अर्डर्न के उत्तराधिकारी एवं पूर्व प्रधानमंत्री क्रिस हिपि. कंस भी शामिल थे।

अर्डर्न और गेफ़ोर्ड(47) ने 2014 में कथित तौर पर डेटिंग शुरू की थी और पांच साल बाद सगाई कर ली थी लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री की सरकार के कोविड–19 प्रतिबंधों के कारण सभाओं को 100 लोगों तक सीमित कर दिया गया था। इसके बाद 2022 में उनकी शादी को स्थगित कर दिया गया था। अर्डर्न ने उस वक्त कहा था, यही ज़िंदगी है और मैं न्यूजीलैंड के लोगों से अलग नहीं हूं। इससे पहले पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह से मुलाकात की, जिसने कार्यक्रम स्थल के बाहर एक दीवार पर दर्जनों टीकाकरण विरोधी पोस्टर चिपका दिए थे।

शाही कैदी डेरा प्रमुख को फिर से पचास दिन की पैरोल

रोहतक : साध्वी यौन शोषण मामले में बीस साल की सज़ा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को एक बार फिर से 50 दिन की पैरोल मिली है। डेरा प्रमुख ने पैरोल को लेकर कई दल. ीलें दी थी, प्रशासन ने उनकी दलीलें मंजूर कर ली। जेल प्रशासन पैरोल को लेकर कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। शुक्रवार देर शाम डेरा मुखी जेल से यूपी के लिए रवाना हो गए। शुक्रवार को ज़िला प्रशासन ने सुनारियां जेल में साध्वी यौन शोषण मामले में सजा काट रहे राम रहीम की पैरोल अर्जी स्वीकार कर ली और उन्हें पचास दिन की पैरोल दे दी। अब तक डेरा मुखी राम रहीम आठ बार जेल से बाहर आ चुका है।जेल के इतिहास में किसी भी दुर्दांत चरित्रहीन और मानवीय सीमाओं को बार–बार लांघने वाले किसी भी व्यक्ति के सुख–सुविधाओं का इतना ख्याल रखने का हौसला कोई भी पूर्व सरकार नहीं कर पाई। गुजरात में बिलकिस बानो प्रकरण और हरियाणा में राम रहीम मुआमला, कैदी, मुजरिम, असामाजिक, चरित्रहीन और निर्लज्ज जैसे शब्दों के अर्थों के बदलने या अर्थहीन बनाने का भयंकरतम उदाहरण हैं।

हर पंद्रह साल में नई ईवीएम के लिए होगी दस हज़ार करोड़ की ज़रूरत

देश में अगर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो नई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) ख़रीदने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) को हर 15 साल में करीब दस हज़ार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। देश में चुनाव कराने वाली शीर्ष संस्था ने सरकार को लिखे एक पत्र में यह बात कही। एक साथ चुनाव के दौरान प्रत्येक मतदान केंद्र पर ईवीएम के दो सेट (एक लोकसभा सीट के लिए और दूसरा विधानसभा क्षेत्र के लिए) की ज़रूरत होगी।

आयोग ने पिछले अनुभवों के आधार पर सरकार को पत्र भेजा।

इसमें कहा गया, मतदान के दौरान दोषपूर्ण इकाइयों को बदलने के लिए कंट्रोल यूनिट (सीयू), बैलेट यूनिट (बीयू) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों की आवश्यकता होती है। आयोग ने पिछले साल फ़रवरी में कानून मंत्रालय को पत्र लिखा था। इसमें उसने कहा था कि विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए एक साथ चुनाव कराने के लिए कम से कम 46,75,100 बैलेट यूनिट, 33,63,300 कंट्रोल यूनिट और 36,62,600 वीवीपीएटी मशीनों की आवश्यकता होगी।

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 3

एक गुनगुनाता पाक ज़हन अशोक साहनी साहिल जो हर मिलने वाले को अपनेपन की फुहार में भिगोकर चंद लम्हों में ही अपनी फ़कीराना सल्तनत का हिस्सा बना लेने की लाजवाब कुव्वत रखता है

एक गुनगुनाता पाक ज़हन अशोक साहनी साहिल जो हर मिलने वाले को अपनेपन की फुहार में भिगोकर चंद लम्हों में ही अपनी फकीराना सल्तनत का हिस्सा बना लेने की लाजवाब कुव्वत रखता है और उसकी यह हसीन दुनिया जिसकी हवा के हर झोंके में मोहब्बत, दोस्ती, अदब इंसानियत और मौसीकी की मौजूदगी हर दिलदार शख़्सियत को खुलकर जीने और कुछ अलग सा कर गुज़रने की शदीद ख़्वाहिशात अता करती है। ऐसे ऐसे फ़कीर बादशाह पर अपना सब कुछ फ़िदा करने से भला कौन बचना चाहेगा। मुसलसल आग के शोलों के बीच से गुज़र कर कुंदन बने इस अदीब को जब सरेआम सैंकडों मोहब्बत भरे दिल सलाम भेजते हैं तो इबादत सरीखे लफ़्ज़ों की आत्मा एक इल्हामी तब्दीली के मंज़र पर फड़फड़ाती महसूस की जा सकती है।

ख़सूसियात जनाब–ए–अशोक साहनी 'साहिल'

हिंदुस्तान के अदबी फ़लक पर चंद ही ऐसे लोग हैं, जिन्हें सचमुच अदब का पकीज़ा हिस्सा मानने में किसी को ज़रा भी ऐतराज़ नहीं हो सकता। अशोक साहनी 'साहिल' एक सुलगता हुआ शायर है जिसकी फ़ितरत में समायी सादगी, जिसकी ज़ुबान पर तैरती मिठास, जिसकी आंखों से झांकती इंसानियत और जिसकी हथेलियों की छूअन से उफ़नती दोस्ती का एहसास, उसे लाखों में एक का दर्जा अता करता है। लोग कहते हैं कि जितनी भी बार 'साहिल' से मिलते हैं, पहले से कुछ ज़्यादा ही गहरा और खूबसूरत दिखाई देता है। अक्सर अपने नाम के मायनों को सच साबित करता हुआ 'साहिल' बिल्कुल शांत बल्कि बेहद शांत दिखाई देता है। ज़रा सोचिये कितना मुश्किल होता होगा इस 'साहिल' के लिए अपने वजूद में उफ़नते तूफ़ान और सनसनाती लहरों के शोर को अपने विशाल सीने में संजोकर ख़ामोशी की चादर से ढकने की कामयाब कोशिश करना,वह भी हर रोज़... हर बार... बार–बार। यह वो ज़िंदा इंसान है जिसकी गुफ़्तगू का हर जुमला किसी सुरीली नज़्म का हिस्सा होने का एहसास दिलाता है। एक चेहरा जिसकी ज़ुबान और आंखें एक ही भाषा में कुछ कहती हैं, एक अजनबी शख़्सीयत जो पहली मुलाकात में ही अपने बेबाक अंदाज़ की गुनगुनी गर्माहट की वजह से, जाने कब अपनी सी लगने लगती है।

लाहौर में जन्में अशोक साहनी 'साहिल' ने शुरूआती तालीम सेंट एंथोनी स्कूल लाहौर पाकिस्तान और मॉडल स्कूल दिल्ली में हासिल की। बाद में आपने सेंट स्टीफ़न कॉलेज दिल्ली से इकोनॉमिक्स की डिग्री हासिल की। कारोबारी ज़िंदगी का पहला सफ़र इंडियन इंडस्ट्रियल हाउस से शुरू किया और तकरीबन 20 साल तक उससे जुड़े रहे। सन् 1978 में मोनार्क इंटरनेशनल कंपनी की नींव रखी और उसके बाद पीछे मुड़ के देखने की फ़ुर्सत ही नहीं मिली। व्यावसायिक परिपक्वता, ज़बरदस्त पारदर्शिता और लक्ष्य के प्रति संपूर्ण समर्पण की बुनियाद पर बदस्तूर खड़े रहे। यह सच हे कि संजीदा साहित्य की दुनिया में ख़ुद अशोक साहनी 'साहिल' महज एक व्यक्ति या कंपनी के बजाए एक खूबसूरत रोल मॉडल की तरह शानदार पहचान बना चुके हैं। दुनिया के मुख़तलिफ हिस्सों में कामयाब कारोबारी इकाइयां स्थापित करने के साथ–साथ जनाब साहिल ने अदब के फ़लक पर भी अपनी बहुत ही अहम मौजूदगी दर्ज करवाई। अब तक लगभग 60 किताबें हिंदी, उर्दू, अंग्रेज़ी और पंजाबी में प्रकाशित हो चुकी हैं जिसे लंदन और नई दिल्ली के मशहूर पब्लिकेशन कंपनीज़ ने प्रकाशित किया। शायरी, मौसीकी, गोल्फ और कारोबारी दुनिया में एक अहम पहचान रखने वाले अशोक साहनी 'साहिल' एक सादादिल साफ़गोह और सजग शख़्सियत हैं, जिन्हें मिलकर किसी भी इंसान के दिल में खुलकर जीने की तमन्ना हिलोरें लेने लगती हैं।

काबिल–ए–फ़ख़ विरासत और बेमिसाल जज़्बा:

लफ्जों के जादूगर जनाब अशोक साहनी 'साहिल' के चेहरे पर हर वक्त तैरती एक शाहाना मुस्कान, उन्हें विरासत में मिली है। आपके दादा जस्टिस बोधराज सन 1935 में जम्मू एंड कश्मीर रियासत के चीफ़–जस्टिस थे। जनाब 'साहिल' की रगों में उनके पिता वीर सैन साहनी जी का खौलता हुआ ख़ून, भी उनकी शाहाना फितरत की एक अहम वजह है, क्योंकि जनाब वीर सैन साहनी भी बटवारे से पहले लाहौर में एक विख्यात वकील थे। लेखन के अलावा जनाब साहनी 'साहिल' बॉलीवुड में भी अपनी पुरज़ोर हाज़िरी दर्ज़ करवा चुके हैं। आपने लिसन अमाया नाम की एक खूबसूरत फ़िल्म का निर्माण किया जिसमें फ़ारूक शेख़, दीप्ति नवल और स्वरा भास्कर जैसे दमदार कलाकारों ने अपनी अदाक. ारी के जोहर दिखाए हैं। आपकी एक और फिल्म 'लफ्जों में प्यार' फ्लोर पर है। तरंग परिवार की ओर से जनाब साहिल को हज़ारों मुबारकबाद।

मुल्क की एक ज़हीन शख़्सीयत की निगाहों में, साहिल

अशोक साहनी 'साहिल' शायरे नफ़सियात और माहिरे नफ़सियात भी हैं। फ़राख़–दिल, ज़िंदा–दिल और ख़ुश–दिल वाक़े हुए हैं। जज़्बात में हरारत, बयान में सदाक़त, क़लम में नदुरत, निगाहों में अज़मत, शऊर से रफ़अत, रहन सहन से शान–ओ–शौकत, चाल में वजाहत और क़दमों में दौलत रखते हैं, लेकिन ना वह मग़रूर हैं और ना ख़ुदग़र्ज़। उनकी सोच आलमगी सोच है वह बेसबातीये दुनिया की आगाही रखते हैं। एक दिन जिस्म फ़ना हो जाएगा जन्नत और दोज़ख़ पर भी उन्हें यक़ीन है, उन्होंने लज़ों से यह नए ताजमहल तराशे हैं नुनके मुशाहदात उनकी बारीक बीनी उनकी नदोरत फ़िक्र उनके बुलंद इरादे उनके तफ़करात के मज़हर हैं। उन्होंने पहाड़ों और कोहसारों के सीनों को पाश–पाश करके कोहन की तरह जूऐं शेर निकाली है जो उनकी बुलंद हौसलगी का ज़िंदा सबूत है। वह अपने ज़हन–ओ फ़िक्र में मोहब्बत की शम्में फ़रोज़ां रखते हैं।

रज़ा अमरोहवी दिल्ली

दुआएं कीजिए गुंन्चों के मुस्कुराने की
अभी उम्मीद है बाक़ी बहार आने की।
मैं जिनका दिल में तसव्वुर सजाए रखता हूं
कोई तो राह मिले उन तक आने–जाने की।
तलाश खुद ही मैं कर लूंगा आपके घर को
ना दूंगा आपको यह ज़हमत मैं घर पे आने की।
बग़ैर इसके मुझे नींद कैसे आएगी
दुआएं देते हो तुम क्यों मुझे सुलाने की।
वो नग़मे संग को भी कर दें मोम जो 'साहिल'
हमें तो आज भी आदत है गुनगुनाने की।

❍❍❍❍❍❍

जी भर के तुम रोने दो
भारी दिल हल्का होने दो।
ज़ख्मे जिगर भर जाऐं शायद
यादों की फ़ैसले बोने दो।
इश्क़ से दूरी रखेंगे हम
दागे़ बदनामी धोने दो।
दिन के थके हारे हम लौटे
कुछ लम्हे तो सोने दो।
खूनी मंजर कब तक देखें
बच्चों को ना ऐसे खिलौने दो।

❍❍❍❍❍❍

जो तरज़े ख़ुदा को समझते हैं अफ़ज़ल
वह सीखेंगे क्या अहले दुनिया से बोलो
वफ़ा, इश्क़ और प्यार की सारी बातें
इन्हीं से ज़माने ने सीखी है लोगो
वही हं निशां मंज़िलों के यक़ीनन
वो सच की मुहाफ़िज़ वो रहबर हैं बोलो
इन्हीं से मिलेगी तुम्हें कामरानी
कि जीने का इनसे करीना सीखो
नहीं है कोई इनसे इंसान बेहतर
जहां यह मिलें साथ तुम इनके होलो

अल्फ़ाज़ और एहसासात के जादूगर जनाब अशोक साहनी 'साहिल' की ज़ाति ज़िंदगी से वाबस्ता कुछ चमकते सितारे।

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 4

अपने ठेकेदारों के लिए रो रही है 6 करोड़ की सड़क

किस्सा हार्डवेयर–प्याली चौक सड़क का

फरीदाबाद : पूरी तरह से जनता का बवाल बनने के बाद, हार्डवेयर–प्याली चौक सड़क का निर्माण कार्य 21 अप्रैल 2021 को शुरू हुआ था । 6 करोड़ की लागत से बनने वाली इस सड़क का निर्माण अपनी 6 महीने की तय समय सीमा के बजाय 2 वर्ष में पूरा हुआ बताया जाता है । नगर निगम फरीदाबाद द्वारा किए गए सैकड़ो करोड़ रुपए के घोटाले के दरमियान बनी यह सड़क जगह–जगह से उखड़ जाने के बाद अपने बनाने वाले ठेकेदारों को रो रही है ।

निगम के कॉन्ट्रैक्ट नियमों के अनुसार समय सीमा से पहले उखड़ने वाली सड़कों के रिपेयर की जिम्मेदारी पूरी तरह से ठेक. `दार की होती है और उन्हें इस रिपेयर को करने के लिए बाध्य किया जा सकता है ... परंतु लूट में करोड़ों की हिस्सेदारी लेने वाले निगम अधिकारी और जनप्रतिनिधि ,ठेकेदार तक पहुं. चने से कतराते हैं। यह शायद इसलिए होता है , क्योंकि तमाम सवाल कर सकने वाले कहीं न कहीं दागी या आम भाषा में काणे होते हैं। उन की नाजायज़ हिस्स. `दारी, उनकी जुबान पर ताले का काम करती है और सड़कें बदस. तूर बंनती और टूटती रहती हैं ।

इस सारी प्रक्रिया के बीच उद्घाटन समारोह आधारशिला पत्थर और आयोजित समाचार पत्रों में फोटो और ख़बर ज़रूर कहीं न कहीं लाभकारी सिद्ध होते हैं ।

अब देखना तो यह है कि बदलते हालात की वजह से , भविष्य में कितने लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं, यह खोखले शिलान्याश के पत्थर ?

संकल्प यात्रा का लक्ष्य, जागरुकता लाना है: राजेश नागर

बल्लभगढ़ : विधायक राजेश नागर ने गांव पलवली में भारत संकल्प विकास यात्रा में पहुंचे और उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह जनता को तमाम सरकारी सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने की कोशिश करें। विधायक राजेश नागर ने लोगों से कहा कि वह अपने विभिन्न विभागों से संबंधित काम यहां करवाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गरीब एवं ज़रूरतमंद लोगों के जीवन स्तर बेहतर करने की गारंटी दी है। नागर ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा गरीब लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने को लेकर अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं और

अंत्योदय की भावना से लोगों तक पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के ज़रिये लोगों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर मिल रहा है। इस अवसर पर लोगों को संकल्प–विकसित भारत की शपथ भी दिलवाई गई। विधायक नागर ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करना और उनकी शत–प्रतिशत परिपूर्णता सुनिश्चित करना है। यह यात्रा प्रदेश के कोने–कोने में समाज के सभी वर्गों विशेषकर वंचित वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की एक अनूठी पहल है। इस दौरान राकेश शर्मा, खेड़ी मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा, पवन शर्मा, कंवरलाल शर्मा, राजकुमार आर्य, अमर दत्त शर्मा, विकास चौ. कीदार, एडवोकेट नीरज शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

तहसीलदार समेत 8 लोगों पर केस दर्ज

कैथल : कैथल में नाजायज़ तरीके से एक दुकान की फ़र्ज़ी रजिस्ट्री करवाने पर पुलिस ने मौजूदा तहसीलदार रोशन लाल सहित आठ लोगों के ख़िलाफ़ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बारे में अभी किसी की गिरफ़्तारी नहीं हुई।

थाना सिविल लाइन पुलिस ने गांव चंदाना निवासी यशपाल की शिकायत पर तत्कालीन तहसीलदार रोशनलाल, शिमला रानी, अनीता, मदनलाल, स्वीन गुप्ता, दयावती, गौरव गुप्ता और नीरु गुलाटी के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में यशपाल ने बताया कि उसके स्वर्गीय पिता रति राम ने ज़िला सचिवालय के सामने सुभाष मार्केट में दुकान नंबर 29–ए साल 2002 में सेक्टर–19 निवासी सतीश कुमार से ख़रीदी थी। साल 2012 में इंतकाल भी उसके पिता के नाम हो गया था।

साल 2014 में उसके पिता का देहांत हो गया था। दिसंबर 2023 में वह अपनी दुकान को देखने के लिए गया तो वहां शिमला और अनीता ने दुकान पर कब्ज़ा किया हुआ था। उसने अपने स्तर पर काग़ज़ातों की जांच की तो पता लगा कि शिमला रानी, अनीता, मदनलाल, स्वीन गुप्ता, दयावती, गौरव गुप्ता तत्कालीन तहसीलदार रोशन लाल से मिलीभगत करके फ़र्ज़ी काग़ज़ात लगाकर दुकान की रजिस्ट्री नीरू के नाम करवा दी। रजिस्ट्री के दौरान जिस दुकान के काग़ज़ात लगाए गए थे असल में वह दुकान 27–बी थी, लेकिन फ़र्ज़ी तरीके से उसकी दुकान की रजिस्ट्री करवा ली गई। इस काम में उसे समय तहसीलदार रहे रोशन लाल व अन्य ने नीरू की सहायता की।

पातली के किसान के खेतों में उठती है जापान के फूलों की खुशबू

पलवल : पलवल के गांव पातली कला के किसान रणवीर सिंह किसानों के लिए एक मिसाल बन रहें है. अपने खेतों में पिछले 35 सालों से फूलों की खेती कर लाखों रुपए की आमदनी कर रहें हैं. बागवानी विभाग हरियाणा द्वारा पलवल जिले में 100 हेक्टेयर भूमि में फूलों की खेती करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. सरकार द्वारा फूलों की खेती करने के लिए किसानों को अनुदान भी दिया जा रहा है, जिसके चलते पलवल जिले में किसानों का रुझान फूलों की खेती करने के लिए बढ़ गया है. किसान रणवीर सिंह का कहना है कि वह अपने आप अपनी

खेती की देखरेख करते हैं और जापान से बीज मंगवाकर फूलों की पौध तैयार करते हैं.

खेतों में फूल उगाकर कमा रहे किसान

किसान का कहना है कि जब दूसरे किसान फूलों की खेती करने लगेंगे तो वह दूसरी किसी फसल की खेती नहीं करेंगे. उन्होंने बताया कि वह गुलदाबरी, ब्लुडेजी, कैल, ग्लैड, रजनीगंधा, ब्राजीका, स्टॉक आदि फूलों की खेती कर रहे हैं. उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें जहां एक तरफ इस खेती से कम लागत में ज्यादा मुनाफा मिल रहा है. वहीं दूसरी तरफ सरकार द्वारा भी समय–समय पर अनुदान मिलता है. किसान रणबीर सिंह ने कहा कि करीब 35 वर्ष पहले वो भी सभी किसानों की तरह परम्परागत खेती करते थे. मेहनत और लागत ज्यादा आती थी. मुनाफ़ा न के बराबर था लेकिन अब उन्हें कम मेहनत और लागत में अच्छा मुनाफ़ा मिल रहा है.

राजीव जेटली सम्मानित

फरीदाबाद : क्षेत्र की अग्रणी संस्थाओं में शामिल बन्नूवाल वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बुधवार को नयी दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में पहुंच कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मीडिया सलाहकार एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली का स्वागत किया। इस मौके पर एसोसिएशन के प्रधान राकेश भाटिया ने राजीव जेटली को माला पहना कर उनके प्रति संस्था की तरफ से सम्मान प्रकट किया।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बड़खल विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर–21डी निवासी राजीव जेटली को अपना मीडिया सलाहकार नियुक्त कर पूरे फरीदाबाद ज़िले को सम्मान देने का काम किया है। रा. जीवजेटली पिछले लंबे समय से शहर के विकास और समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रूप से अपना योगदान दे रहे हैं। इस विशेष मुलाकात के दौरान राजीव जेटली ने बन्नूवाल वैलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों की सराहना की।

इस मौके पर तिलकराज भाटिया, सुशील भाटिया, राजन भाटिया, वंदना मल्होत्रा, संजीव ग्रोवर, संजय अरोड़ा, दिनेश भाटिया, रेनू राजन भाटिया और शशि भाटिया उपस्थित थे।

ज़िला–कांग्रेस, नीरज शर्मा के समर्थन में आगे आई

फरीदाबाद : एनआईटी क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक नीरज शर्मा द्वारा अपनी विधानसभा में विकास के लिए 28 करोड़ की राशि न दिए जाने के बाद कफ़न पहन लिए जाने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी उनके समर्थन में उतर गए हैं और उन्होंने भाजपा सरकार की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। पृथला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया का कहना है कि कांग्रेस विधायक को कफ़न पहनाकर भाजपा सरकार ने ब्राह्मणों का अपमान किया है, विधायक नीरज शर्मा का क्या इतना कसूर था, उन्होंने अपने क्षेत्र में विकास के लिए 28 करोड़ की राशि मांगी। पूर्व संसदीय सचिव कुमारी शारदा राठौर ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा ऐसी पहली सरकार है जिसमें विधायक को कफ़न पहनने पर मज़बूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों का अपमान करके कोई भी सुखी नहीं रह सकता इसलिए सरकार को विधायक नीरज शर्मा से माफ़ी मांगकर उन्हें उनके क्षेत्र के विकास के लिए शीघ्र ही ग्रांट देनी चाहिए। उधर बड़खल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप ने भी भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इसका ख़ामियाजा भाजपा सरकार को आने वाले समय में भुगतना पड़ेगा। उधर फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने जनादेश का सम्मान नहीं किया तो आने वाले समय में जनता उन्हें वोट की चोट से जवाब देगी।

25000 से अधिक फ़लस्तीनियों की मौत

रफ़ाह (गाज़ा) इस्राइल और हमास के बीच तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में 25,000 से अधिक फ़लस्तीनियों की मौत हुई है। गाज़ा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल–किद्रा के अनुसार, पिछले 24 घंटे में गाज़ा के अस्पतालों में कम से कम 178 शव और लगभग 300 घायल लाए गए।

हठयोगी के विचार–

श्री राम मंदिर निर्माण के साथ–साथ ज़रूरी था, भारत वर्ष में गौ–हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध हो।

भारतवर्ष अखंड हो।

भारत वर्ष से गौ मांस निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध हो।

श्री राम, कृष्ण, शिव जी सहित धर्म के नाम पर राजनीति–व्यापार वाद पर सक़्त रोक हो।

हिंसा, नफ़रत को दूर भगाना है, विश्व में शांति–सद्भावना–मानवता का ध्वज फहराना है।

भुखमरी, बेरोज़गारी, महंगाई को दूर भगाना है, भारत को एक महान राष्ट्र बनाना है।

महंत कैलाश नाथ हठयोगी

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 5

सम्पादकीय

प्रभु राम और आतिशबाज़ी

प्रभु राम के भव्य मंदिर का निर्माण करोड़ों हिंदुओं के लिए निसंदेह एक ऐतिहासिक घटना है। यह जानकर बहुत बड़ा झटका लगा कि तीन लोकों के स्वामी सर्वशक्तिमान श्री राम सैकड़ो वर्षों तक टैंट में रहे। घट–घट में बसने वाले राम, पृथ्वी पर हर जीव को आश्रय देने वाले राम, भला टैंट में क्यों रहे ? जहां तक हमारी मंदबुद्धि की पहुंच है अब–तक हम किसी ऐसे नाम, व्यक्ति अथवा जीव को नहीं जानते जो जन–जन की आस्था के प्रतीक रघुकुल के सूर्य श्री राम को टैंट में रहने के लिए विवश कर सके।

यदि हम चंडूखाने की अर्थहीन गपशप को सुने तो शायद कुछ ऐसा वर्णन मिल सकता है कि कुछ कलयुगी लोगों की वजह से त्रिलोकी नाथ राम को टैंट में सदियों तक रहना पड़ा।.....यहां बड़े नपे–तुले शब्दों में अत्यंत संकोच के साथ केवल इतना ही कह सकते हैं कि कोई भला राम को टैंट में कैसे रख सकता है ? यह एक कभी भी समझ न आने वाली, आधारहीन अभिव्यक्ति है। इस बात को कहने वाला क्या कह रहा है, सच में किसी भी तरह के तर्क के दायरे में नहीं आता।

ख़ैर, धीरे–धीरे मुझे यह तो समझ आने लगा है कि मेरी चिंता बेषक किसी धर्म या आस्था से जुड़ी बात नहीं है।

....चलो एक लम्हे के लिए रुक जाते हैं और एक बार फिर आज, इस बहस की शुरुआत की तरफ़ रुख़ करते हैं.... आज का विषय था, प्रभू श्री राम और आतिशबाजी !

पिछले कई महीनों से लगभग हर अख़बार की चर्चा का विषय था, प्रदूषण.....। देश की राजधानी दिल्ली विपक्षी सरकार होने की वजह से, वायु प्रदूषण के लिए चर्चा में रहती रही। कारण कुछ भी रहा हो मगर दिल्ली का अला. र्मिन्ग ए. क्यू. आई. सभी की धड़कनों को बढ़ाने का प्रमुख कारण बना रहा।

.....और फिर अचानक राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह ने ए. क्यू. आई. को लगभग ढक ही लिया और प्रदूषण की चर्चा ऐसी गुम ही हो गई, जैसे यह कोई मस्सला था ही नहीं। अब टेलीविज़न पर प्रदूषण से दिल्ली वालों को ख़तरा, एकाएक ख़त्म हो गया। अचानक देश भर में चारों तरफ़ दिवाली मनाने का ज़िक्र होने लगा। दिमाग झन्ना गया, जब पढ़ा कि सिर्फ़ दिल्ली में पटाखों की बिक्री 100 करोड़ को पार कर गई है।

जब खोजबीन की तो पता चला कि प्रदूषण के ख़तरे को हमेशा के लिए ख़त्म करने के लिए एक कानून बनाया गया था जिसमें आतिशबाजी बनाने और बेचने पर इतने कड़े प्रतिबंध लगा दिए गए और बनाना तो क्या लोग साचेने से भी घबराने लगे। हिंदुओं के सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार दिवाली पर, सदियों पुरानी पटाखों की परंपरा, को भूलने के लिए मजबूर कर दिया गया। बात तो धार्मिक त्यौहार से जुड़ी थी मगर कानून और लोगों का स्वास्थ्य इस परंपरा पर भारी पड़े और हज़ारों पटाखा कारोबारी लगभग तबाह हो गए।

लेकिन अब इतनी बड़ी पाबंदी के बाद दिल्ली में पटाखों की बिक्री के सरकारी आंकड़ें 100 करोड रुपए से ऊपर निकल जाने की बात कह रहे हैं। यह जिज्ञासा का विषय था कि दिल्ली में पटाखों पर भारी रोक का क्या हुआ ?... हैरान रह गए जब पता चला कि एक जनवरी 2024 को इस कानून को निष्प्रभावी कर दिया गया है। ...पर यह जानकर हर्ष भी हुआ कि अब यह पटाखे अपार वायु प्रदूषण और ए. क्यू. आई. एयर क्वालिटी इंडेक्स को बिल्कुल प्रभावित नहीं करते। सच ही तो कि राम की अपार शक्ति के सामने इंडेक्स फ़िंडेक्स कहां ठहर सकते हैं।

जन के मन को गण के भाव से जोड़ना बड़ी चुनौती

जन के मन को गण के भाव से जोडना आज भारत की सबसे बड़ी चुनौती है। ज़ाहिर है देश है तो जन है, चारों तरफ़ जनता है। जनता का राज भी है। ज़ाहिर है जन का मन भी होगा ही। जन के पास अपने मन की बात कहने का मंच भले ही न हो, जनमत के भोंपुओं की कमी नहीं है। टी.वी., अख़बार, सोशल मीडिया सब जनमत के दावेदार हैं। लेकिन जन के मन और जन के मत में सामंजस्य नहीं है। जनमानस और जनमत को जोडने वाला कोई पुख़्ता सेतु नहीं है। जन के मन और मत में गण के संस्कार स्थापित करने का कोई तरीका नहीं है। गण के नाम पर भीड़ और तंत्र द्वारा गणतंत्र का अपहरण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है।

यही आज हमारी चुनौती है। इस बार दिल्ली में देश का 75वां गणतंत्र दिवस उसके 4 दिन पहले अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की परछाईं में होगा। 22 जनवरी को संवैधानिक लोकतंत्र के प्रधानमंत्री अयोध्या में राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के यजमान होंगे। उनके साथ वहां के मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी रहेंगे। नाम मर्यादा पुरुषोत्तम राम का होगा, लेकिन काम वोट बैंक का होगा जिसका मर्यादा, आस्था या धर्म से कोई लेना देना नहीं है। जनमानस की आस्था का दोहन करते हुए मीडिया के ज़रिए जनमत पर कब्ज़ा होगा, गणतंत्र का अपहरण होगा। विरासत के नाम पर जनमानस को दिग्भ्रमित करने के इस राजनीतिक खेल का प्रभावी जवाब यही हो सकता है कि हम भारत की गहरी विरासत को याद करें, जनमानस में दबे छुपे इस संस्कार को जगाएं और गण के दायित्व को जीवित रखें।

इस लिहाज़ से जनवरी का महीना गणतंत्र के संस्कार को जगाने के लिए सबसे

उपयुक्त है। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि इस महीने में हमारा औपचारिक गणतंत्र दिवस मनाया जाता है, बल्कि इसलिए भी कि इस महीने में हमारे गानों के मूल भाव का प्रति. निधित्व करने वाले अनेक पर्व और दिवस पड़ते हैं। 26 जनवरी का दिन हमारे गणतंत्र के मूल भाव की दोहरी अभिव्यक्ति करता है। यह हमारे संविधान के लागू होने के दिवस होने के नाते संविधान की प्रस्तावना और उसके पाठ में मूल्यों को याद करने का दिन है। साथ ही हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर को पारित भारतीय संविधान को 26 जनवरी को लागू करने का निर्णय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान पूर्ण स्वराज के राष्ट्रीय संकल्प के दिवस को याद रखने के लिए किया गया था।

जनवरी का महीना हमें स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं की याद दिलाता है। 23 जनवरी नेताजी सुभाष बोस की जयंती हमें आज़ाद हिंद फौज में सभी धर्म संप्रदायों के भारतीय योद्धाओं की भागीदारी की याद दिलाती है। 20 जनवरी सरहदी गांधी यानि ख़ान अब्दुल गफ़्फ़ार ख़ान की जयंती है जो अहिंसक संघर्ष की ताकत की याद दिलाती है। 9 जनवरी को आदिवासी विद्रोह उलगुलान का दिवस है। लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि 11 जनवरी हमें मर्यादा का पाठ पढ़ाती है। जनवरी का महीना सामाजिक न्याय के संवैधानिक मूल्य को याद करने का समय है। 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले और 9 जनवरी को फ़ातिमा शेख की जयंती महिला शिक्षा और स्वतंत्रता के आंदोलन से जोड़ती है। 17 जनवरी को रो. हित वेमुला का शहादत दिवस हमें याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय का संघर्ष आज भी अधूरा है। इंकलाब ज़िंदाबाद का नारा देने वाले हसरत मोहानी की जयंती भी इसी माह में 1 जनवरी को पड़ती है।

यह महीना हमारे देश में धर्म और संस्कृति के उदार स्वरूप को पहचानने का समय है। देश में 13, 14, 15 जनवरी को संक्रांति के अवसर पर अलग–अलग नाम से त्यौहार मनाए जाते हैं जो किसी धर्म और जाति से बंधे हुए नहीं है। हिंदू धर्म की उदात्त व्याख्या करने वाले स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को है। गुरु गोबिंद सिंह की जयंती को 17 जनवरी को गुरुपर्व के रूप में मनाया जाता है।

महात्मा गांधी का शहादत दिवस 30 जनवरी इस महीने के सभी सूत्रों को हमारे गणतंत्र से जोड़ता है। राम के भक्त की हिंदू उग. वादी द्वारा हत्या राम के नाम पर चल रही समकालीन राजनीति से हमें आगाह करती है। गांधी जी का जीवन हमारी सभ्यता और संस्कृति के सर्वोच्च मूल्यों को सर्वधर्म समभाव से जोड़ता है। वर्ष 2024 भारतीय गणतंत्र के इतिहास में एक निर्णायक वर्ष होगा जो हमारे देश की दशा ही नहीं उसकी दीर्घकालिक दिशा भी तय कर देगा। इस वर्ष की शुरुआत जन गण मन के अभियान से करना हमारे गणतंत्र के भविष्य के लिए सच्चा योगदान होगा।

—योगेन्द्र यादव

यह कैसा लोकतंत्र का मंदिर

इस साल की शुरूआत में नए संसद भवन का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यह 'सिर्फ़ एक इमारत नहीं... बल्कि लोकतंत्र का मंदिर' है जो 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों को प्रतिबिंबित करता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में संसद की भूमिका और कार्यप्रणाली पर ये वास्तव में सही और उचित विचार थे। हालांकि, यह सर्वविदित है कि कैसे लोकतंत्र के इस मंदिर को लगातार सरकारों और उन लोगों द्वारा कुचला और अपवित्र किया गया है जिन्हें हम अपने 'कीमती वोटों' के माध्यम से चुनते हैं।

लोगों की चिंताओं को उठाने और देश पर शासन करने के लिए कानून बनाने की जगह के रूप में अपनी भूमिका निभाने की बजाय, यह सार्वजनिक तमाशा के लिए एक मंच बन गया है जहां चिल्लाना निर्वाचित प्रतिनिधियों की प्रमुख गतिविधि प्रतीत होती है। संसद के लगभग हर सत्र में एक तरह का नया रिकॉर्ड बनता है, जो उस स्थान की पवित्रता को और भी कम कर देता है। दोनों पक्षों के संसद सदस्य और साथ ही आने वाली सरकारें इस गड़बड़ी के लिए ज़िम्मेदार हैं, सिवाय इसके कि कुछ सरकारों का ट्रैक रिकॉर्ड दूसरों की तुलना में ख़राब है।

नवीनतम उथल–पुथल, जिसके कारण विपक्ष की सीटें लगभग खाली हो गई हैं, नए निम्न स्तर की शृंखला में नवीनतम है। जो बात परेशान करने वाली और पूरी तरह से अरुचिकर है वह यह है कि यह स्थिति अनावश्यक रूप से बनाई गई थी और इसे पूरी तरह से टाला जा सकता था। शुक्र है कि संसद पर हमले में कोई क्षति नहीं हुई, यह बहुत गंभीर मामला है। सुरक्षा में सेंध लगाना और दो लोगों का इस तरह सदन

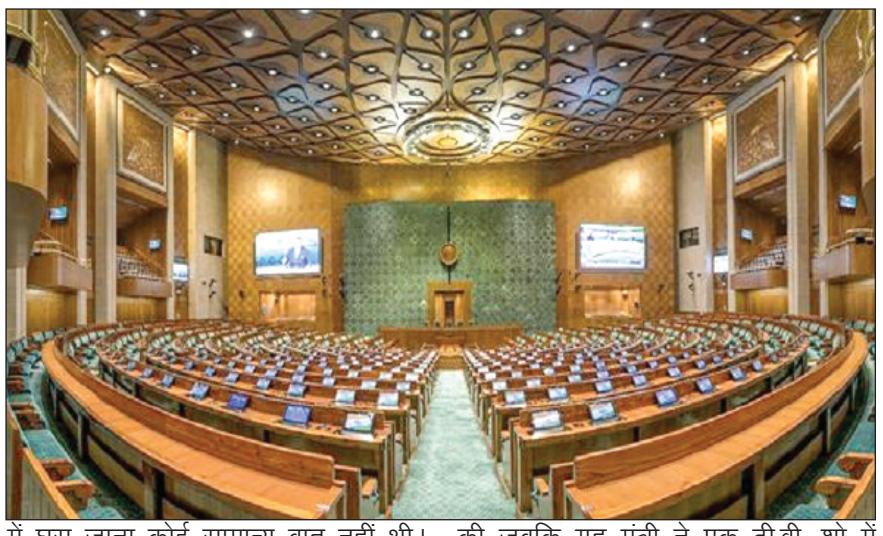

में घुस जाना कोई सामान्य बात नहीं थी। वे घातक गैस ले जा सकते थे जिससे निर्वाचित प्रतिनिधियों की जान जा सकती थी।

यह अनगिनत परिणामों वाली आपदा हो सकती थी। आतंकवादियों द्वारा संसद पर हमले की बरसी पर इस गंभीर चूक पर केंद्रीय गृह मंत्री या प्रधानमंत्री को बयान देने की आवश्यकता है। यह तर्क कि संसद की सुरक्षा लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी थी, अमान्य है। इस उल्लंघन में संसद के चारों ओर सुरक्षा की कई परतें शामिल थीं और इसने निश्चित रूप से सरकार से प्रतिक्रिया मांगी।

इसकी बजाय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने संसद के विपक्षी सदस्यों की कठोर और उचित मांग के बावजूद चुप रहना पसंद किया। बस इस घटना की निंदा करने वाले एक बयान की ज़रूरत थी और यह कहना था कि घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। यह निश्चित रूप से सरकार की ओर से कमोरी का संकेत नहीं होगा। सरकार 'लोकतंत्र के मंदिर' में यह बात कहने से क्यों कतरा रही थी ? फिर भी, अपनी प्रकृति और रिकॉर्ड के अनुरूप, सरकार अपने रुख़ पर अड़ी रही। यह सर्वविदित परंपरा है कि संसद सत्र के दौरान सभी महत्वपूर्ण घोषणाएं संसद में ही की जाती हैं। इसके बजाय, इस मामले में, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों ने सदन के बाहर इस मुद्दे पर बयान दिया। प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रैली में चिंता व्यक्त की जबकि गृह मंत्री ने एक टी.वी. शो में भाग लेते हुए स्थिति की गंभीरता को स्व. ीकार किया। ये कृत्य सत्ता के अहंकार को दर्शाते हैं और स्पष्ट रूप से संसद का अपमान हैं। अहंकार का यह रवैया वर्तमान सरकार की पहचान रही है, भले ही प्रधानमंत्री ने 'इंडिया' गठबंधन को 'घमंडिया गठबंधन' का उपनाम दिया हो। अहंकार की वह लकीर पिछले 10 वर्षों में एक भी प्रैस कांफ्रैंस को संबोधित न करने के मोदी के 'विश्व रिकॉर्ड' में परिलक्षित होती है।

हाल ही में वह चुनिंदा मीडिया घरानों को साक्षात्कार दे रहे हैं, लेकिन ज़ाहिर तौर पर यह सख़्त शर्त पर है कि उनसे कोई असुविधाजनक सवाल या क्रॉस सवाल नहीं पूछे जाएंगे। टैलीविजन बहसों और प्रैस कांफ्रैंसों में भाजपा प्रवक्ताओं की प्रतिक्रियाओं में अहंकार की वही झलक दिखती है। बहुत गंभीर मुद्दे पर बयान की मांग करने के लिए संसद सदस्यों के बड़े पैमाने पर निलंबन से राज्य सरकारों और वक्ताओं को मजबूत संकेत जाएगा, जो असुविधाजनक सवालों का जवाब देने की बजाय निर्वाचित प्रतिनिधियों को बाहर करना सुविधाजनक समझेंगे।

3 हिंदी भाषी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की हालिया जीत ने निश्चित रूप से लो. कसभा चुनावों से पहले पार्टी को बढ़ावा दिया है, लेकिन इसके लिए अच्छा होगा कि वह ज़मीन पर टिके रहें और देश में लो. कतंत्र को मज़बूत करें।

—विपिन पब्बी

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 6

भारत की महान जनता को

गणतंत्र दिवस की

असख्य शुभकामनाएं

चौ विजय प्रताप सिंह, बड़खल

समस्त देशवासियों को

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

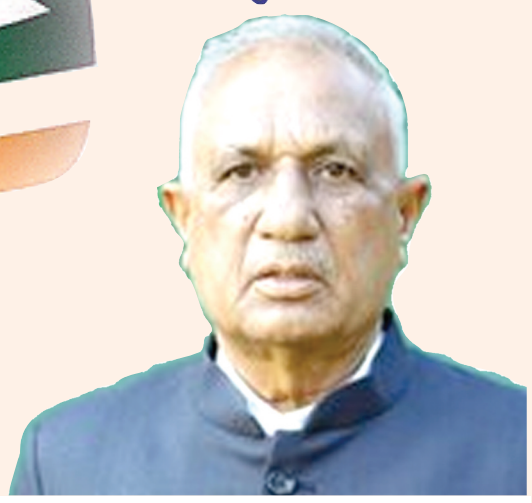

रूपसिंह नागर, वरिष्ठ भाजपा नेता
एवं वैदिक गणित विशेषज्ञ

वरिष्ठ समाज सेवी

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश नागर

विधायक

तिगांव विधानसभा क्षेत्र

हरियाणा के हर प्रबुद्ध नागरिक को

गणतंत्र दिवस की

अनगिनत

हार्दिक

शुभकामनाएं

विधायक सीमा त्रिखा

आप सभी प्रदेशवासियों को

गणतंत्र दिवस की

हार्दिक

शुभकामनाएं

संग समाज की शान, बी.के.शर्मा (समाजसेवी)

सभी हरियाणा निवासियों को

गणतंत्र दिवस

की

हार्दिक

शुभकामनाएं

Yaman Industries तजिन्दर मलिक

AN IATF 1699:2016 CERTIFIED COMPANY

SSI PLOT NO. 2 INDUSTRIAL AREA, NO 5 N.I.T FARIDABAD 121001

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 7

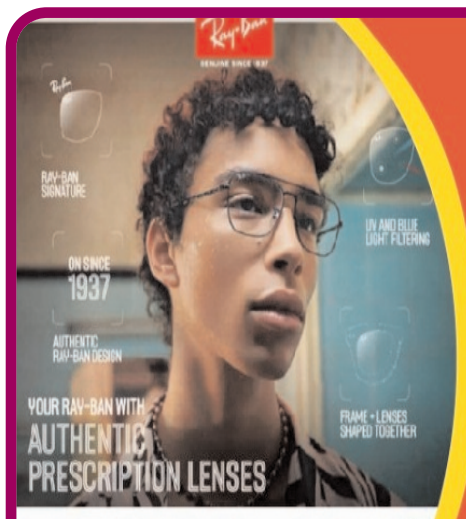

Ph. : 9911262928, 0129-4082928

Optivision

(OPTICAL SHOWROOM)

- Free Eye Test.
- Contact Lens
- Frames Start @ RS. 200/-
- Sun Glasses Start @ Rs. 200/-
- Spectacles Ready in Just 30 Minutes
- Free Repairing & Cleaning of Spectacles
- All major brands of sunglasses & frames available

भविष्य मेडिकल स्टोर के साथ

NEAR 4-5 CHOWK, KC CINEMA RD,FARIDABAD 121001

UP TO 50% OFF ON FRAMES & GLASSES

BUY 1 GET 1 FREE *T&C Apply*

आप सभी प्रदेशवासियों को

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

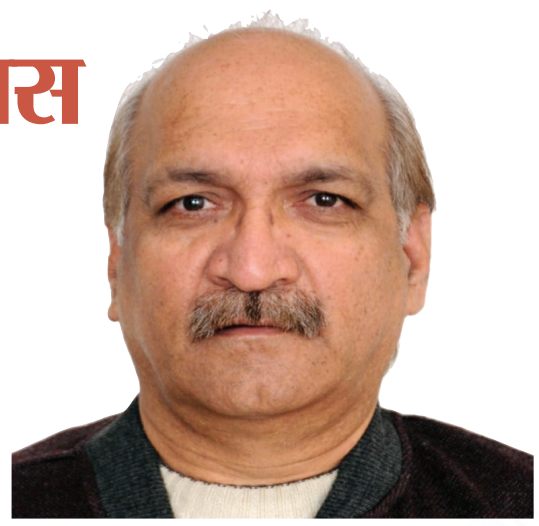

आनंदकांत भाटिया प्रबुद्ध समाजसेवी

Faridabad Industries Association

Sh. R.G Agrawal
Vice President

Sh. S.K Kapoor
Vice President

Sh. Raj Bhatia
President

Sh. Pradeep Mohanty
Vice President

Sh. Vijay Jindal
Vice President

Sh. Parag Gupta
Treasurer

FIA 70 LEGACY & BEYOND

HAPPY REPUBLIC DAY

गणतंत्र दिवस

Faridabad Industries Association
FIA House, Bata Chowk, NIT Faridabad-121001
Email:- fiafbd@gmail.com Website:-www.fiafaridabad.com

Happy Republic Day

Sh.Anand mehta

President & Management of
K.L Mehta Dayanand School & PG women's College

Maharishi Dayanand Education Society

Nehru Ground Faridabad

आप सभी प्रदेशवासियों को

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Pragati Public School

Lakshya Pragati Public School

Progressive Convent School

MCF 2454 Gali No- 28 Sanjay Colony
Sector-23 Faridabad 121001

Mob 9650658850, 8448263966

Happy Republic day

Catering for all occasions

BABAJI

Restaurant & Caterers

Booth No .90,Sec-16A,Part-1,Huda Mkt,
Near Post Office, Faridabad Mob-9810623292

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 8

गुरबाणी में वर्णित पापों से बचना चाहिए

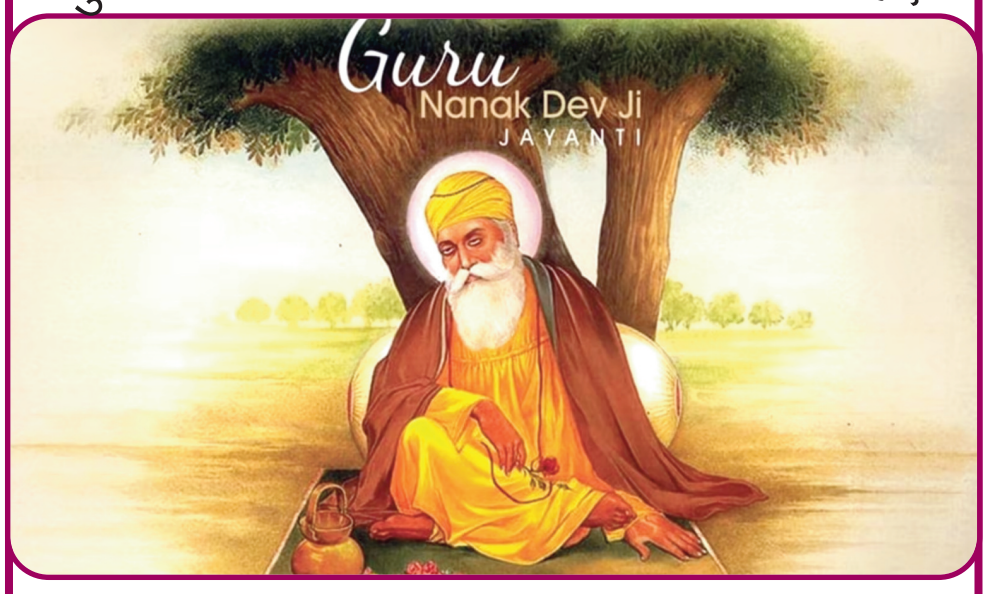

'परहरि पापु पछाणै आपु ॥ (सतगुरु नानक देव जी)।

गुरु नानक वाणी में लिखे पाप कर्मों की सूची :

सिख पंथ सत्गुरु नानक देव जी से आरंभ होता है। गुरु जी की रसना द्वारा उचारी हुई वाणी को 'गुरबाणी' कहा गया है। गुरबाणी सिख पंथ का संविधान है। गुरबाणी में जिन कुकर्मों की मनाही है, वह कुकर्म 'पाप' हैं। सत्गुरु नानक देव जी ने अपनी रसना से उचारी वाणी में, जिन पाप कर्मों की मनाही की है, वह गुरु ग्रंथ साहिब जी में अंकित हैं। प्रत्येक 'गुरु नानक नाम लेवा सिख' को उन पाप कर्मों से बचने की आवश्यकता है।

1 अधिक बोलना : बहुता बोलणु झखणु होइ॥ (धनासरी म. 1)
2. कड़वा बोलना : नानक फिकै बोलिऐ तनु मनु फिका होइ ॥ (आसा म. 1)
3. किसी की बुराई करना : मंदा किसै न आखीऐ (आसा म. 1)
4. किसी के अवगुण देखना : हम नहीं चंगे बुरा नही कोई ॥ (सूही म. 1)
5. अहंकार करना : मन रे हउमै छोडि गुमानु॥ (सिरीरागु म. 1)
6. विरोध करना : गुरमुखि वैर विरोध गवावै ॥ (रामकली म. 1)
7. आलस्य करना : मनमुख कउ आलसु घणो फाथे ओजाड़ी ॥ (मारू म. 1)
8. हिंसा करना : हिंसा ममता मोहु चुकावै। (म. 1)
9. झूठ बोलना : कूडू बोलि मुरदारु खाइ॥ (म. 1)
10. जुआ खेलना : जूऐ जनमु न हारहु अपणा (म.?)
11. चोरी करना : चोर जार जूआर पीड़े घाणीऐ॥ (म.?)
12. पर–स्त्री या पर–पुरुष संग संबंध बनाना : परु घरु जोही नीच सनाति॥ (म.?)
13. महिलाओं की बुराई करना और उन्हें पीटना : सो किउ मंदा आखीऐ जितु जंमहि राजान॥ (म. 1) 14. क्षमा न करना : खिमा विहूणे खपि गए खूहणि लख असंख ॥ (रामकली दखणी म. 1)
15. सुच पवित्रता न रखना : सुचि होवै ता सचु पाईऐ ॥ (म. 1)
16. संतोष न रखना : सत संतोखि रहहु जन भाई। (म. 1)
17. संयम न रखना : गिआनु धिआनु गुण संजमु नाही जनमि मरहुगे झूठे॥ (म. 1)
18. दया न करना : निरदइआ नही जोति उजाला॥ (म. 1)
19. दान न करना : दुआदसी दइआ दानु करि जाणै ॥ (म. 1)
20. स्नान न करना : दानहु तै इसनानहु वंजे भसु पई सिरि खुथै॥ (म. 1)

गुरबाणी में वर्णित ऊपर लिखे सभी बुरे कर्म वह हैं जिन से आस्तिक–नास्तिक, धर्मी–अधर्मी,, कोई भी इन्कार नहीं कर सकता। इन पाप कर्मों से बच कर ही मनुष्य का निजी एवं सामाजिक जीवन सुखी हो सकता है तथा पूरा समाज भी सुखी हो सकता है। इसलिए, मनुष्य को इन पाप कर्मों से सदैव ही बचना चाहिए। क्योंकि, धर्म के नियम मानव जीवन को सुखी बनाने के लिए होते हैं। सिख पंथ के नियम, गुरु जी ने हमारा जीवन सुखी बनाने के लिए बनाए हैंय जो प्रत्येक सिख को धारण करने चाहिएं।

धरती के समस्त मनुष्यों का कर्तव्य है कि गुरु जी के आदेश का पालन करते हुए, लोग सुखी जीवन व्यतीत कर सकें। उपरोक्त पाप कर्मों का त्याग करके ही, हम सच्चे 'सिख' बन सकते हैं, 'गुरमुख' बन सकते हैं और गुरु चरणों में प्रवान हो कर अपना लोक–परलोक सुखी कर सकते हैं।

कनाडा में विदेशी छात्रों की संख्या घटाने पर विचार

एजैंसी : कनाडा से भारतीय छात्रों के लिए बुरी ख़बर सामने आई है। कनाडा विदेशी छात्रों की संख्या को कम करने पर विचार कर रहा है। कनाडा इस समय बेरोज़गारी और घर की समस्या से जूझ रहा है। कनाडा ने यह नहीं बताया है कि वह अभी कितना संख्या घटाना चाहता है।

टोरंटो, कनाडा दूसरे देशों से अपने यहां पढ़ने आए स्टूडेंट्स की संख्या सीमित करने पर विचार कर रहा है। दरअसल, कनाडा इस समय बढ़ती बेरोज़गारी और आवास के संकट से जूझ रहा है। इसकी बड़ी वजह दूसरे देशों से कनाडा आने वाले छात्रों को माना जा रहा है। कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर ने एक टीवी चौनल को दिए इंटरव्यू में इंटरनैशनल स्टूडेंट्स की संख्या सीमित करने की बात कही है। हालांकि, उन्हा.

`ने यह साफ़ नहीं किया कि सरकार विदेशी छात्रों की संख्या को कितना घटाना चाहती है।

मिलर ने कहा कि इस बारे में अंतिम फ़ैसला प्रांतीय सरकारों से सलाह–मशविरे के बाद लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने से सभी क्षेत्रों में आवास की समस्या ख़त्म नहीं होगी, लेकिन यह फ़िलहाल हमारे पास सबसे उपयुक्त विकल्पों में से एक है। हालांकि, विदेशियों पर उदार रुख रखने वालों ने इस साल देश में 4.85 लाख प्रवासियों का लाने का लक्ष्य रखा है। साल 2025 और 2026 में 5–5 लाख लोगों को लाने की कोशिश हा. `गी।

कनाडा में 9 लाख से अधिक विदेशी छात्र

4 करोड़ की आबादी वाले कनाडा में फ़िलहाल 9 लाख से अधिक विदेशी छात्र हैं। इनकी कनाडा की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका है। भारत से भी वहां बड़ी संख्या में लोग पढ़ने और रोज़गार की तलाश में जाते हैं। कनाडा के कुल विदेशी छात्रों में भारत की हिस्सेदारी 37 प्रतिषत है। वहां पिछले दो दशक में सिख आबादी दोगुनी से अधिक हो गई। ज़्यादा विदेशियों के आने से घरों की डिमांड और कीमतों में काफ़ी इज़ाफ़ा हुआ है। स्थानीय लोगों के लिए रोज़गार के मौके भी घट गए।

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर
अदब की दुनिया के शहनशाह
जनाब कंवर महेन्द्र सिंह बेदी को
शत-शत नमन
courtesy
सरदार अश्वजीत सिंह
चैयरमेन आईपीई ग्लोबल
जनाब नारंग साकी
जनरल सेक्रेट्री
केएमएसबी लिट्रेरी ट्रस्ट

Kanwar Mohinder Singh Bedi Literary Trust.

सभी प्रदेशवासियों
को गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं

DR Hemraj Dhingra
Prominent Social Personality
3-E/23,NIT Faridabad.9811754949

सभी हरियाणा निवासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं

सरदार जसविन्दर सिंह
समाज सेवी

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 9

हज़ारों लोगों को बेरोज़गार करने की बजाए सरकार लोगों को राहत देने का काम करे : विजय प्रताप

फरीदाबाद : सूरजकुंड रोड स्थित बने हुए फ़ार्म–हाउस को तोड़ने पहुंची प्रशासन की टीम को बैरंग वापस लौटना पड़ा। दरअसल, नगर निगम टीम और पुलिस प्रशासन सूरजकुंड रोड पर बने हुए मैरिज़ बैंक्विट हॉल पर पीला पंजा चलाने के लिए पूरे दलबल के साथ पहुंचा था लेकिन बड़खल विधानसभा से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ चुके युवा नेता विजय प्रताप सिंह के साथ वेंकट हॉल के सभी मालिकों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि या तो पुलिस उनको गिरतार कर ले या फिर सरकार अपने नीतियों को बदलने का काम करें। इन बैंकट हॉल्स से हज़ारों घरों को रोज़गार मिलता है।

श्री विजय प्रताप ने कहा कि सरकार अपनी नीतियों को बदलने का काम करें या फिर उनको मोहलत दे। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों से सुप्रीम कोर्ट में फ़ोरेस्ट विभाग की एक याचिका विचाराधीन है, हरियाणा में सन 1996 में 2022 तक के लिए शर्तो के साथ काफ़ी एरिया फ़ोरेस्ट में दे दिया गया था, जिन लोगों की मालिकाना ज़मीन है उनका यह कहना है कि, हमारा एरिया फ़ोरेस्ट से बाहर निकाला जाए। लेकिन उसके बावजूद भी इस एरिये को फ़ोरेस्ट से बाहर नहीं निकाला गया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है ।

सरकार पहले अपनी नीति स्पष्ट करे और फ़ोरेस्ट एरिया को मेनटेन रखे , हरियाणा सरकार के पास बहुत सा बंजारा एरिया है जिसको फ़ोरेस्ट बनाए जाने की गुंजाइष है, इस एरिया में ज़्यादातर आबादी है, मैरिज़ गार्डन है लोगों को रोज़गार मिल रहा है हज़ारों लोग गुजर–बसे कर रहे है और जब तक षादियां चल रही हैं तब तक रोक लगाई जाए। सरकार अपनी नीति को सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट करें। क्योंकि सरकार चाहेगी तो यह एरिया निकल जाएगा ,बदले में दूसरा एरिया दे दिया जा सकता है। लोग यहां तक भी तैयार हैं बदले में फ़ोरेस्ट के लिए जमीन ख़रीद कर देगे और फ़ोरेस्ट भी लगा देंगे। क्योंकि सब जीवन यापन कर रहे है बच्चे यहां पल रहे हैं हज़ारों लाखों लोगों का रोज़गार है ऐसा भी नहीं है कि बहुत ज़्यादा कमा रहे हैं इस ग्राऊण्ड पर सरकार को अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए ला. `गों ने अपने कनवर्ज़न चार्ज़ भी जमा कर रखें हैं। कोरपोरेशन में जमा कर रखे है। सभी सरकार से अनुरोध कर रहे हैं नीति स्पष्ट होने तक हमें राहत दें।

शहीद अग्निवीर के परिवार को सौंपा एक करोड़ का चेक

लुधियाना : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज ड्यूटी के दौरान शहीद हुए अग्निवीर जवान अजय कुमार के परिवार को आ. र्थक सहायता के तौर पर एक करोड़ रुपये का चेक सौंपा।

खन्ना के निकट गांव रामगढ़ सरदारां के अग्निवीर अजय कुमार बारूदी सुरंग विस्फोट में शहीद हो गये थे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बहादुर जवान ने जम्मू–कश्मीर में अपना कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए जो देश के लिए विशेषकर माता–पिता के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिवारों की मदद के लिए राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के कल्याण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए अकाल पुरख से प्रार्थना की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गांव के सरकारी स्कूल का नाम शहीद के नाम पर रखने की अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है।

देश की तरक्की के लिए मतदाता जागरुक होकर अपने मत का प्रयोग करें : सीमा त्रिखा

फरीदाबाद : अब जब कि आगामी चुनाव दस्तक दे रहे हैं जाहिर है चुनावी गतिविधियां भी कुछ गति पकडती देखी जा सकती हैं। बड़खल क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि हर पांच साल में एक बार हमारे लिए लोकतंत्र का उत्सव मनाने का दिन आता है और 2024 में हमें तीन बार इस उत्सव को मानाने का मौका मिलेगा। बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य पात्र मतदाताओं, विशेष रूप से नए मतदाताओं के नामांकन को प्रा. `त्साहित करना है।

उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि युवाओं द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को धूमधाम, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में हर क्षेत्र में तरक्की तो हुई है, लेकिन मतदाता उतना जागरूक नहीं है जितना उसे होना चाहिए। लोकतंत्र की नींव मताधिकार पर ही रखी जाती है और प्रत्येक व्यस्क नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मतदान करने का पूर्ण अधिकार है। देश में मोदी और प्रदेश में मनोहर सरकार ने हमेशा यही कहा है कि हमारी सरकार देश को समर्पित सरकार है और सबका साथ सबका विकास करते हुए देश को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश बनाने के लिए संकल्पबद्ध है।

महिला से जूते के फीते बंधवाने वाले एसडीएम का तबादला

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को सिंगरौली जिले की चित्रांगी तहसील के उपज़िलाधिकारी (एसडीएम) के तबादले के आदेश दिए। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर, जिसमें सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक महिला एसडीएम के जूते के फीते बांधते दिख रही है, के सामने आने के बाद मुख्यमंत्री ने यह कार्रवाई की। यादव ने कहा कि वैसे उन्हें पता है कि एसडीएम को चोट लगी थी, लेकिन जो तस्वीर सामने आयी है उससे 'अच्छा संदेश' नहीं गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के लिए महिला सम्मान सर्वोपरि है। चितरंग के एसडीएम अश्वन राम चिरावन ने कहा है कि उन्हें पिछले महीने घुटने में चोट लगी थी, लेकिन इसके बावजूद वह 22 जनवरी को एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने 'आरती' करने के लिए जूते उतारे थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनके कार्यालय की एक महिला कर्मी उनके जूते के फीते बांधने आगे आयी थी एवं इसी का फ़ोटो वायरल हो गया।

वेंकैया और वैजयंतीमाला को पद्म–विभूषण, मिथुन चक्रवर्ती को पद्म–भूषण

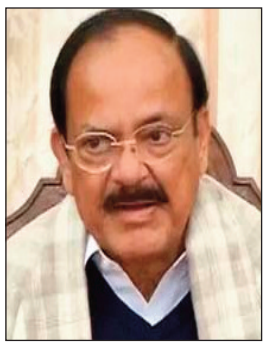

नई दिल्ली, भारत सरकार ने गुरुवार देर शाम पद्म पुरस्कारों का ऐलान कर दिया। पूर्व राष्ट्रपति वेंकैया नायडू, बॉलीवुड एक्टर मिथुन चक्रवर्ती और अपने ज़माने की मशहूर अदाकारा वैजयंती माला को क्रमशः पद्म विभूषण और पद्म भूषण और पद्म विभूषण अवार्ड दिया जाएगा। भारत की पहली महिला हाथी महावत पार्वती बरुआ को पद्मश्री सम्मान से नवाज़ा जाएगा। वहीं झारखंड के जाशपुर जिले के आदिवासी कल्याण कार्यकर्ता जगेश्वर यादव को भी पद्म–श्री सम्मान से नवाजा जाएगा। अगर खेल की बात करें तो प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रोहित बोपन्ना को पद्म–श्री दिया जाएगा। मध्यप्रदेश की 4 विभूतियों को पद्य श्री सम्मान मिला हैं। इनमें कालूराम बामनिया को कला, सत्येन्द्र सिंह लोधी को खेल एवं भगवतीलाल राजपुरोहित को साहित्य व शिक्षा तथा ओमप्रकाश शर्मा को कला क्षेत्र में पद्म–श्री सम्मान दिया गया हैं।

सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक
शुभकामनाएं

HIND HH HYDRAULICS

सरदार सुख देव सिंह

सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रथम इंजीनियरिंग वर्क्स
बिस्कुट प्लांट पार्टस मैन्युफ़ैक्चरर

रेलवे रोड बैरक नं–22 भगत सिंह
कॉलोनी, एनआईटी फरीदाबाद
IDBI बैंक के सामने

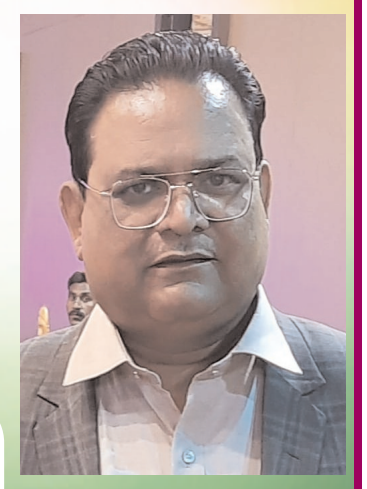

संजय गुप्ता

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 10

जो बोया सो काटोगे

जिस घर में या जिस परिवार में पति–पत्नी आपस में झगड़ते हैं जहां पर माहौल हर समय अशांत बना रहता है, उस परिवार के बच्चे कभी अच्छे अथवा सफ़ल व्यक्ति नहीं बन सकते। इसलिए जो मां–बाप अपने बच्चों की असफ़लताओं और अनैतिक व्यवहार के लिए उन्हें कोसते हैं, उन्हें अपने गिरेबान में झांकने की ज़रूरत है। यदि नेक नियति से सोचें तो वे सब निश्चय ही इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि यह वह विषैली उपज है जिसे उन्होंने स्वयं बोया है। यह दोषी ठहराए जा रहे बच्चे, उनकी लापरवाही और अनैतिक व्यवहार का नतीजा है, जो उन्होंने सालों साल किया और संस्कारों के रूप में अपनी अगली पीढ़ी को दिया। यह तो हम बचपन से सुनते आए हैं कि बाल–मन एक सफ़ेद साफ़ तख़्ती के समान है जिस पर कुछ भी लिखा जा सकता है। साथ ही हम यह भी कहना चाहते हैं कि हम आज के नौजवान दंपतियों को लड़ने झगड़ने से तो मना नहीं कर सकते परंतु उन्हें बच्चों के सामने यह सब करने से बचने के लिए कह सकते हैं।

अपनी युवा अवस्था में हर तरह की मटर–गश्तियां और मन. चलों जैसा व्यवहार करने वाले लोग यदि अपने बच्चों से ऐसा व्यवहार न करने की चाहत रखते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है परंतु कहीं तो उन्हें स्वयं को भी रोकना होगा। अपने व्यवहार और जीवन में अनुशासन या नैतिकता लाए बिना हमें दूसरों पर उंगली उठाने का कोई अधिकार नहीं मिलता, चाहे हमारे सामने हमारे अपने बच्चे ही क्यों नहीं हों।

एक महात्मा गली के नुक्कड़ पर खड़े कुछ लोगों से कह रहे हैं कि हम सांसारिक जीवों की सबसे बड़ी समस्या हमारी अनियंत्रित इच्छाएं और ज़रूरतें रहती हैं। बस जरा इन पर काबू पा लो तो सब ठीक हो जाएगा।

ऋषिपाल चौहान
चेयरमैन जीवा पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद

नो क्रेकर्ज़

स्टूडेंट : टीचर जी यह सारे शहर में क्रैकर क्यों फोड़े जा रहे हैं ?

टीचर : अरे अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव संपन्न हुआ है

स्टूडेंट : पर आपने तो हमें नो क्रैकर वाला लैसन पढ़ाया था, उसका क्या हुआ ?

टीचर : अरे बुद्धू वह दिवाली के लिए था, अब तो राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के लिए फोड़े जा रहे हैं।

स्टूडेंट : पर ऐसा क्यों टीचर ?

टीचर : पगले दिवाली तो हर साल आती है, पर राम जन्मभूमि में प्राण–प्रतिष्ठा उत्सव तो पूरे 500 साल बाद हुआ है न...

स्टूडेंट : लेकिन टीचर...

टीचर : (बात को बीच में रोककर) चल उठ, भाग, घंटी बज गई है, सुनाई नहीं देता ?

गणतंत्र दिवस उपलब्धि

सफाई में फिर पिछड़ा अपना फरीदाबाद, स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की रैंकिंग में 446 शहरों में 381वीं रैंकिंग मिली फरीदाबाद को

- पिछली साल मिली थी 36वीं रैंकिंग
- हरियाणा के 20 शहरों में फरीदाबाद की है 19वीं रैंकिंग
- इको ग्रीन की कार्यप्रणाली और नगर निगम का निकम्मापन ले डूबा फरीदाबाद की रैंकिंग को

मार्मिकता के साथ शहद वाले तंज़ का शायर

डॉ. रमेश ठाकुर

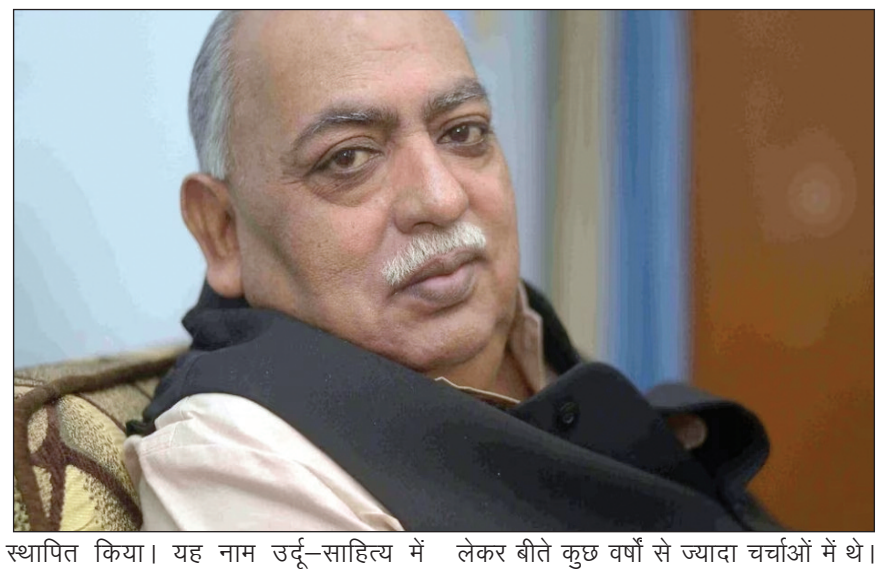

मशहूर शायर मुनव्वर राणा अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे। उनके शे'र, उनकी नज़्में, उनकी मासूम–सी मुस्कुराहट के पीछे छिपे शहद में डूबे तंज़ सबको अपना बना लेते थे। सहमति–असहमति के दौर में उन्हें कुछ लोगों ने बुरा समझा। उर्दू जुबान का अपने दौर का सबसे बड़ा शायर अब यादों में, बातों में, महफ़िलों में और किस्सों में रहेगा। लखनऊ में मुनव्वर राणा की रूह बाकी है जो सदा यहीं रहेगी। सबको अकेला छोड़कर उर्दू साहित्य का विशाल वटवृक्ष रविवार की सर्द शाम को नवाबों के शहर लखनऊ में ढह गया। छब्बीस नवंबर, 1952 को उत्तर प्रदेश के ज़िले रायबरेली में जन्मे मशहूर शायर 'मुनव्वर राणा' ने एक अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर दुनिया को अलविदा कह दिया। खुदा ने उनके निधन की वजह दिल के दौरे के रूप में मुकर्रर की। जबकि थे कैंसर से पीड़ित। उनके न रहने की ख़बर पर बड़ी–बड़ी हस्तियों ने दुख जताया। मुनव्वर के निधन से न सिर्फ़ उर्दू–साहित्य को नुकसान होगा, बल्कि अवधी–हिंदी भाषा को भी गहरा धक्का लगेगा। विश्व पटल पर उन्हें अवधी का खूब प्रचार–प्रसार किया। उर्दू शायरी में नया प्रयोग करके उन्होंने देशी भाषाओं को अपनी जुबान बनाई थी।

राणा की कही प्रत्येक शायरी–कविता में ऐसी तल्खियां होती थीं, जो सियासतदानों को हमेशा नागवार गुज़री। उनकी प्रस्तुति में झलकता अलहदापन सुनने वालों को अपनी ओर खींचता था। मुनव्वर राणा का जन्म बेशक उत्तर प्रदेश में हुआ, लेकिन ज़्यादा वक्त उन्होंने कोलकाता में ही बिताया। बचपन में वह बेहद शरारती रहे। वह शुरू से ही हट्टे–कट्टे थे। पहलवानी का भी शौक था लेकिन बाद में त्याग दिया।

राणा का इंतज़ार 'पहलवानी का अखाड़ा' नहीं, बल्कि 'साहित्य जगत' कर रहा था। कविताओं ने ही उनको 'मुनव्वर राणा' के साथ स्थापित किया। यह नाम उर्दू–साहित्य में सदैव अदब–सम्मान से लिया जाता रहेगा। साहित्य के अलावा अन्य सामाजिक मसलों पर उनकी बेबाक टिप्पणियां भी जगज़ाहिर रहीं। शायरी में मुनव्वर को सबसे ज़्यादा शो. हरत 'मां' के स्नेह और रिश्तों पर उकेरी कविताओं से ही मिली। मां की ममता को दर्शाने वाली कविता की एक लाइन हमेशा सभी के दिलों में ज़िंदा रहेंगी। 'किसी को घर मिला हिस्से में या कोई दुकां आई मैं घर में सबसे छोटा था मेरे हिस्से में मां आई' इन लाइनों में भावुकता और मार्मिकता का ऐसा संगम समाहित है जिसे सुनकर संवेदनाएं उमड़ती हैं। शायरी के लिए सजने वाली कोई ऐसी महफ़िल नहीं होती थी जिसे वह अपनी शायरी से न लूटते हों? महफ़िलों के अनगिनत किस्से उनसे जुड़े हुए हैं।

हैदराबाद के एक मुशायरे में अपने कलाम के बारे में एक दफ़े कहा था कि 'वह गज़ल को कोठे से उठाकर मां तक ले आए हैं'। वह एक ऐसा संदेश था जिसने सीधे राजनीति पर प्रहार किया था। वहीं, दुबई में एक मुशायरे में जब उन्होंने एक मां पर लिखी शायरी की एक लाइन पढ़ी, तो वहां बैठे दूतावास के एक बड़े अधिकारी बिलख–बिलख कर रोने लगे। वहीं राणा बेबाक राजनीतिक बयानबाज़ी को लेकर बीते कुछ वर्षों से ज्यादा चर्चाओं में थे। इसके अलावा उन्हें वर्ष 2014 में साहित्य अक. ादमी पुरस्कार से नवाजा गया था जिसे बाद में उन्होंने लौटा दिया था। तब से वह कुछ ज़्यादा ही सियासतदानों के निशाने पर आ गए। दरअसल, उनकी बयानबाज़ियां ही उन्हें हमेशा परेशान करती रहीं।

गले के कैंसर से पीड़ित 71 वर्षीय इस शायर का विवादों से कभी नाता छूटा ही नहीं ? हालांकि, उनके विवाद इसलिए कमतर आंके जाते हैं क्योंकि उन्होंने उर्दू साहित्य विधा पर अमिट छाप छोड़ी। उनके जाने से उर्दू–साहित्य को निःसंदेह बड़ी क्षति होगी।

मुनव्वर की बड़ी ख़ासियत थी कि वह उर्दू के बड़े शायर होते हुए भी अपने शेरों में अवधी और हिंदी जमकर प्रयोग करते थे। इसी वजह से उनकी लोकप्रियता और तेज़ी से बढ़ी। उम्दा शैली का ऐसा शायर शायद ही अब कभी संसार को नसीब हो। उन्हें सिर्फ़ भारतीय श्रोता ही पसंद नहीं करते थे, समूचा संसार उनकी कविताओं को सुनने के लिए बेताब रहता था 'हम नहीं थे, तो क्या कमी थी यहां हम न होंगे तो क्या कमी होगी' शायर मुनव्वर राणा का यह शे'र उनके इंतकाल पर याद किया जा रहा है।

वर्ष 2020 से 5 अरब लोग हुए और गरीब

नई दिल्ली : दुनिया में अमीर और गरीब के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है। अमीर लगातार और ज़्यादा रईस होते जा रहे हैं। अरबपतियों की दौलत बढ़ रही है। वहीं गरीबों की संख्या उससे भी ज़्यादा रफ़्तार में बढ़ती जा रही है। लोगों की कमाई घट रही है। स्विटजरलैंड के दावोस में 15 जनवरी से शुरू हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम की सालाना बैठक में जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस बैठक में जारी ऑक्सफ़ेम की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि दुनिया के पांच सबसे रईस लोगों की दौलत 2020 के बाद से दोगुनी से ज्यादा हो गई है। इसके मुताबिक, मौजूदा रुझान जारी रहा तो एक दशक के अंदर ही दुनिया को पहला खरबपति मिल जाएगा। रिपोर्ट कहती है कि 2020 के बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

पांच अमीरों की संपत्ति हुई दोगुनी

अगर यह रुझान जारी रहता है तो अगले 229 वर्षों तक गरीबी खत्म नहीं होगी। ऑक्सफ़ेम की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के 10 सबसे बड़े कॉरपोरेशन में से सात में सीईओ या प्रमुख शेयर होल्डर एक अरबपति हैं। 148 टॉप कॉरपोरेशन ने 1800 अरब अमे. रिकी डॉलर का मुनाफ़ा कमाया, जो तीन साल के औसत से 52 प्रतिशत अधिक है। अमीर शेयर होल्डर्स को भारी भुगतान किया गया, जबकि करोड़ों लोगों को वास्तविक अवधि के वेतन में कटौती का सामना करना पड़ा।

5 अरब लोग और गरीब हुए

असमानता और ग्लोबल कॉरपोरेट शक्ति पर इस रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया के पांच सबसे अमीर लोगों की संपत्ति 2020 के बाद से 1.4 करोड़ अम. रीकी डॉलर प्रति घंटे की दर से 405 अरब अमरीकी डॉलर से दोगुनी से अधिक बढ़कर 869 अरब अमरीकी डॉलर हो गई है। करीब पांच अरब लोग पहले ही गरीब हो चुके हैं। ऑक्सफैम इंटरनेशनल के अंतरिम कार्यकारी निदेशक अमिताभ बेहार ने कहा कि वैश्विक आबादी का सिर्फ़ 21 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने के बावजूद 'ग्लोबल नॉर्थ' के अमीर देशों के पास 69 प्रतिशत वैश्विक संपत्ति है। दुनिया के 74 प्रतिशत अर. बपतियों की संपत्ति यहीं है।

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 11

सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सीट न होना बेतुका है : एलन मस्क

न्यूयॉर्क (अमेरिका) अर. बपति उद्योगपति एलन मस्क ने कहा कि धरती का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बा. वजूद भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्य न होना ''बेतुका'' है और उन्होंने इस विश्व निकाय में बदलाव करने का आह्वान किया। टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की यह टिप्पणी तब आयी है जब संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने यूएनएससी के स्थायी सदस्यों की सूची में किसी अफ़्रीकी देश के शामिल न होने को लेकर चिंता जतायी थी।

गुतारेस ने मस्क के मालिक. ाना हक वाले 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम यह कैसे स्व. ीकार कर सकते हैं कि अफ़्रीका

का एक भी देश सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''संस्थानों को आज के विश्व का प्रतिनिधित्व करना चाहिए न कि 80 साल पहले के विश्व का। सितंबर में होने वाला भविष्य का शिखर सम्मेलन वैश्विक शासन में सुधार और पुनर्निर्मित विश्वास पर विचार करने का एक अवसर होगा।'' गुतारेस के पोस्ट पर अमेरिका में जन्मे इज़राइली पूंजीपति माइकल आइजनबर्ग ने भारत के प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा, ''कहीं न कहीं संयुक्त राष्ट्र निकायों में बदलाव की आवश्यकता है।'' मस्क ने 'एक्स' पर अपने जवाब में कहा, ''समस्या यह है कि जिनके पास ज़रूरत से अधिक शक्ति है वह इसे छोड़ना नहीं चाहते।

धरती पर सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बा. वजूद भारत के पास सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट न होना बेतुका है।''वर्तमान में, संयुक्त राष्ट्र के पांच स्थायी सदस्य हैं चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। केवल एक स्थायी सदस्य के पास ही किसी ज़रूरी प्रस्ताव पर वीटो करने की शक्ति होती है।

हूती अटैक से दिसंबर में लगी 4 अरब डॉलर की चपत

नई दिल्ली : स्वेज नहर संकट के चलते भारतीय एक्सपोर्ट को लगभग 4 अरब डॉलर महीने की चपत लगने लगी है। हालात जल्द नहीं सुधरे तो मुश्किल और बढ़ जाएगी क्योंकि ग्लोबल डिमांड में सुस्ती के चलते निर्यात पहले से

घट रहा है। फ्रेट कॉस्ट लगभग दोगुनी हो जाने के बीच फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइज़ेशंस (थ्म्ब्) ने यह चिंता जताई है। हालात को देखते हुए कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को व्यापार बोर्ड की बैठक बुलाई गई है। इसमें निर्यात बढ़ाने के उपायों पर मंथन होगा। इसी हफ़्ते कॉमर्स मिनिस्ट्री एक और बैठक करेगी, जिसमें रक्षा और विदेश सहित कई मंत्रालयों के अधिकारी शामिल होंगे। इसमें हूतियों के हमले से पड़ रहे असर को दूर करने के उपायों पर विचार होगा।

असर दूर करने के उपायों पर विचार

इसमें हूतियों के हमले से पड़ रहे असर को दूर करने के उपायों पर विचार होगा। मौज. ूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर के बीच गुड्स एक्सपोर्ट सालभर पहले की इसी अवधि के मुकाबले 6.51: घटकर 279 अरब डॉलर पर आ गया था। एक्सपोर्टर्स का कहना है कि हूती आतंकवादियों के हमले शुरू होने से पहले रेड सी रूट पर 40 फुट के कंटेनर का भाड़ा 1400 से 1800 डॉलर था, जो अब 2600 से 3000 डॉलर हो गया है। थ्म्ब् के डीजी और सीईओ डॉ अजय सहाय ने कहा, 'रेड सी रूट से मिडल ईस्ट, नॉर्थ अफ्रीका और यूरोप को जाने वाले माल पर असर पड़ा है। दिसंबर के जो आंकड़े हैं, उसके मुताबिक करीब 4 अरब डॉलर महीने तक का असर पड़ने लगा है। दूसरे रूट्स पर भी फ्रेट रेट बहुत बढ़ गया है। बीमा कंपनियां भी कवर देने से मना करने लगी हैं।

संजीव भट्ट की सज़ा हाई–कोर्ट ने बरकरार रखी

भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी (IPS) संजीव भट्ट को गुजरात हाईकोर्ट से करारा झटका लगा है। 'पुलिस हिरासत में मौत' मामले में जामनगर सत्र अदालत द्वारा उन्हें दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सज़ा को बरकार रखा है। हाईकोर्ट ने मंगलवार (9 जनवरी 2024) को इस मामले में सत्र न्यायालय के फ़ैसले के ख़िलाफ़ की गई अपील को खारिज कर दिया है।इस मामले में न्यायमूर्ति आशुतोष शास्त्री और न्यायमूर्ति संदीप भट्ट की खंडपीठ ने कहा, "ट्रायल कोर्ट ने अपीलकर्ताओं को तर्क के आधार पर दोषी ठहराया है। इसलिए सज़ा के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। हम उक्त फ़ैसले को बरकरार रखते हैं और अपील ख़ारिज करते हैं।" दरअसल, यह मामला 1990 में हुई एक घटना से संबंधित है। दरअसल, रथ यात्रा के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवानी को बिहार में गिरफ्तार कर लिया

गया था। इसके बाद 30 अक्टूबर 1990 को भाजपा और विश्व हिंदू परिषद ने भारत बंद का आह्वान किया था। उसी दौरान जामनगर जिले के एक शहर में सांप्रदायिक दंगा भड़क गया था। उस समय संजीव भट्ट जामनगर जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) थे। इस मामले में संजीव भट्ट ने 133 लोगों को आतंकवादी एवं विघटनकारी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (TADA) के तहत हिरासत में लिया था। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक प्रभुदास माधवजी वैश्नानी भी थे। हिरासत से रिहा होने के बाद वैश्नानी की मृत्यु हो गई। उनके परिवार ने आरोप लगाया था कि भट्ट और उनके सहयोगियों ने वैश्नानी को हिरासत में ख़ूब यातनाएँ दी थीं।

परिवार ने आरोप लगाया था कि हिरासत में लिए गए लोगों को लाठियों से पीटा गया था और उन्हें कोहनी के बल रेंगने के लिए मजबूर किया गया। उन्हें पानी तक पीने की इजाज़त नहीं दी गई थी। इसके कारण प्रभुदास वैश्नानी की किडनी ख़राब हो गई और आख़िरकार उनकी मौत हो गई। वैश्नानी नौ दिनों तक पुलिस हिरासत में थे।

इनके अलावा, अदालत ने पुलिस कॉन्स्टेबल प्रवीण सिंह जाडेजा, अनोप सिंह जेठवा, केसुभा दोलुभा जाडेजा और पुलिस उप–निरीक्षक शैलेश पांड्या एवं दीपककुमार भग. वानदास शाह को भी हिरासत में यातना का जून 2011 में गुजरात सरकार ने ड्यूटी से ग़ैर हाज़िर रहने, ड्यूटी पर नहीं रहते हुए भी आधिकारिक कार का इस्तेमाल करने और जाँच कमिटी के सामने पेश नहीं होने पर संजीव भट्ट को सस्पेंड कर दिया।

बिना हाथों पीएचडी, एथलेटिक्स में आसमां...

हरीश भारद्वाज

रोहतक : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) की गर्ल्स हॉस्टल की वार्डन डॉ. सुनीता मल्हान अपने साहस और दृढ़ निश्चय से देशभर में लड़कियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गई हैं। दोनों हाथ गंवाने के बावजूद अपनी हिम्मत के चलते शिक्षा खेल, समाज सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की।पानीपत में आयोजित बेटियों की लोहड़ी कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने डॉ. सुनीता मल्हान को प्रतिष्ठित नारी शक्ति अवार्ड से नवाज़ा। वह तैराकी में भी वह पदक जीत चुकी है। हाथ नहीं होने के बाद उन्होंने अपने पैरों की शक्ति को पहचाना और दुनिया जीत ली और मिसाल कायम की। मूलरूप से झज्जर के सुबाना गांव निवासी डॉ सुनीता मल्हान वर्ष–1987 में 21 वर्ष की उम्र में हुये एक हादसे में दोनों हाथ गवां बैठी और पति ने तलाक दे दिया। उसने हिम्मत नहीं हारी। सुनीता ने पैरों को ही अपने बाजू बनाने की ठान ली। उन्होंने बताया कि इलाज के दौरान एक नर्स ने उन्हें हा. ंसला दिया। स्वयं ही कापी पैन लाकर दिए और पांव से पैन पकड़ना सिखाया। पैर से लिखने के कारण शुरू में बहुत कष्ट हुआ, पर लगातार अभ्यास से वह लिखने में सफ़ल रही।

निक्की हेली का पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला

निक्की हेली अभी तक पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला करने से बच रही थीं। पर जैसे–जैसे चुनाव पास आते जा रहे हैं सियासी माहौल गर्माता जा रहा है। भारतवंशी निक्की ने ट्रंप पर जमकर भड़ास निकाली।

अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। इस साल के अंत में अंतिम दौर के मतदान के बाद अमेरिका के अगले राष्ट्रपति का चुनाव होगा। ऐसे में आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी है। भारतीय–अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली भी अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हैं। वह लगातार अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साध रही हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बूढ़ा बताया है।

मानसिक रूप से ठीक नहीं

दरअसल, 77 साल के ट्रंप ने हाल ही में हेली पर 2021 में अमेरिकी राजधानी के छह जनवरी के विद्रोह को रोकने में विफ़ल रहने के लिए उन पर आरोप लगाया था। इसी को लेकर, संयुक्त राष्ट्र

की राजदूत रह चुकीं हेली ने दावा किया था कि ट्रंप राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने के लिए मानसिक रूप से ठीक नहीं हैं।

मैं तब राजधानी में नहीं थीं...

निक्की हेली ने कहा, कल रात एक रैली में ट्रंप ने कई बार मेरे बारे में बात की। उन्होंने पूछा कि मैंने कैपिटल दंगों के दौरान सुरक्षा क्यों नहीं ली, मैंने छह जनवरी को बिगड़े हालातों को बेहतर तरीके से क्यों नहीं संभाला। तो मैं बता दूं मैं छह जनवरी को वाशिंगटन में नहीं थी। मैं तब कार्यालय में भी नहीं थी।

डॉ. निरुपम मदान बनीं एम्स की पहली महिला चिकित्सा अधीक्षक

नई दिल्ली : वरिष्ठ डॉक्टर निरूपम मदान को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली का चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही महिला सषि. क्तकरण के दौर में एम्स को पहली महिला मेडिकल सुपरिंटेंड. ेंट मिल गई है। फ़िलहाल, डॉक्टर मदान एम्स के अस्पताल प्रशासन विभाग में प्रोफ़ेसर के तौर पर कार्यरत हैं और वह कड़े प्रशास. निक फ़ैसलों के लिए जानी जाती

हैं। दरअसल, एम्स निदेशक डॉक्टर एम श्रीनिवास ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर बताया कि डॉक्टर निरूपम मदान को अगले 3 साल के लिए चिकित्सा अधीक्षक (एमएस) के पद पर नियुक्त किया गया है।

साथ ही उन्हें आगामी 17 फ़रवरी से पहले एमएस का पद संभालने का निर्देश दिया गया है। आदेश के मुताबिक डॉ मदान को डेपुटेशन पर नियुक्त किया गया है। उनकी प्रतिनियुक्ति का. र्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के नियमों और शर्तों के अनुसार विनियमित की जाएगी।

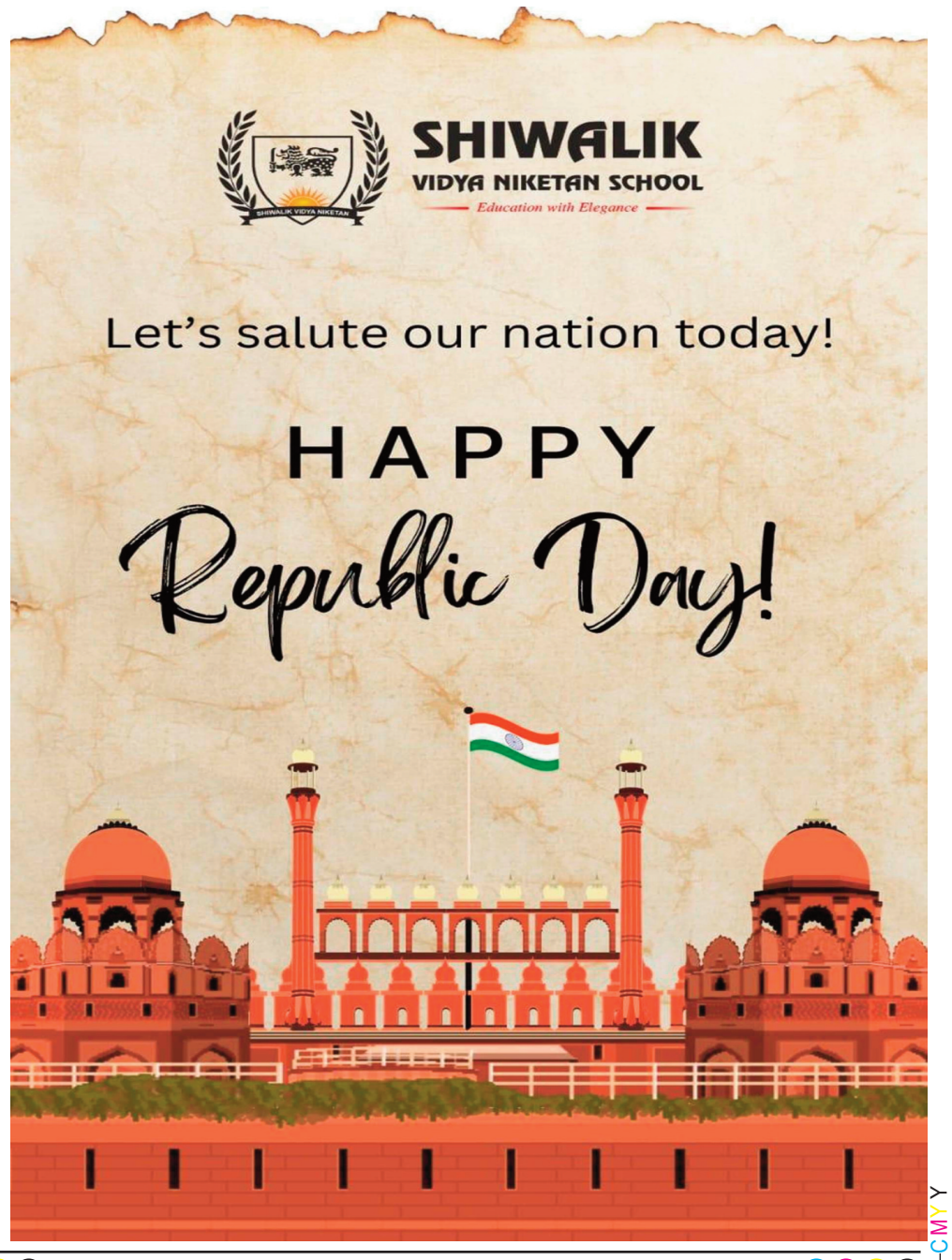

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 12

चुनौतियों से निपटने के लिए नेतृत्व की संस्कृति को अपनाएं : जेपी मल्होत्रा

फरीदाबाद : डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएषन द्वारा स्ट्राइव प्रोजेक्ट के अंतर्गत युवाओं में नेतृत्व की भावना जागरुक करने के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर एसोसिएषन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने युवाओं को अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने और नेतृत्व की भावना जागृत करने की आवष्यकता पर बल देते हुए कहा यदि कोई व्यक्ति आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी से अपने कार्यक्षेत्र में नि. रंतर जुटा रहे तो वह नेतृत्व करने में सक्षम बन सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान भोगो. लिक दृष्टि से जो अस्थिरता, अनिष्चता, जटिलता और अस्पष्टता का जो वातावरण बना हुआ है उससे केवल कार्य की ज़िम्मेदारी लेने और नेतृत्व करने की संस्कृति को अपना कर निपटा जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि यदि हम अपने कार्य परिसर, संस्थान में नेतृत्व करने की संस्कृति को अपना लें तो कई आने वाली चुनौतियों से समय रहते निपट सकते हैं।

मल्होत्रा ने युवाओं से कहा हमारा प्रयास है कि हम औद्योगिक इकाइयों को बेहतर बनाएं, परिणाम, गुणवत्ता युक्त उत्पाद, डिलिवरी बे. हतरीन प्रदर्षन करने वाली श्रम–षक्ति उपलब्ध करवा सकें। मल्होत्रा ने उपस्थित युवा पीढ़ी को निरंतर ईमानदारी से आगे बढ़ने और सफ़लता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी।

असम सरकार जितने चाहे केस दर्ज करे, डरूंगा नहीं : राहुल

बारपेटा (असम) भीड़ को उकसाने के आरोप में गुवाहाटी पुलिस द्वारा राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के ख़िलाफ़ मामला दर्ज करने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता ने बुधवार को भाजपा शासित राज्य को चुनौती दी कि वे 'जितना संभव हो उतने मामले' दर्ज करें, लेकिन फिर भी वह डरेंगे नहीं। बारपेटा ज़िले में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के सातवें दिन अपने पहले सार्वज. निक संबोधन में कांग्रेस नेता ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की आलोचना की और उन पर ज़मीन और सुपारी से संबंधित कई आरोप लगाते हुए उन्हें देश का 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' करार दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि हिमंत बिस्वा शर्मा को यह विचार कैसे आया कि वह मामले दर्ज करके मुझे डरा सकते हैं। भाजपा–आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) मुझे डरा नहीं सकते।' गुवाहाटी पुलिस ने मंगलवार को राज्य की राजधानी में हिंसा के कृत्यों के लिए गांधी और अन्य नेताओं के ख़िलाफ़ स्वतः संज्ञान लेते हुए एक प्राथमिकी दर्ज की। उन्होंने कहा, ''मैंने (नरेन्द्र) मोदी के ख़ास दोस्त (गौतम) अडाणी के ख़िलाफ़ भाषण दिया और मेरे ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया गया। फिर मुझे संसद से बाहर निकाल दिया गया और मेरा सरकारी आवास छीन लिया गया। मैंने ख़ुद सरकारी आवास की चाबियां दे दीं, मुझे यह नहीं चाहिए।' वहां मौजूद लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच राहुल ने कहा, 'मेरा घर हर भारतीय नागरिक के दिल में है, मैं उनके दिल में रहता हूं। मेरे पास असम, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और अन्य सभी राज्यों में लाखों घर हैं।' उन्होंने दावा किया, 'असम के सीएम अमित शाह के इशारे पर चलते हैं।' उन्होंने कहा, 'तरुण गोगोई भी मुख्यमंत्री थे लेकिन उन्होंने वही किया जो असम चाहता था। तरुण गोगोई मेरे गुरु थे, लेकिन मैंने कभी नहीं कहा उन्हें क्या करना है।'

नॉन एनर्जी चार्जिज़ से बिजली उपभोक्ता परेशान बिना कारण बताए फ़ालतू वसूली

अम्बाला : बिजली विभाग द्वारा इस बार उपभोक्ताओं से वसूले जा रहे नॉन एनर्जी चा. र्जिज़ को लेकर उपभोक्ता बहुत परेशान हो गए हैं। लोगों का कहना है उन्हें समझ नहीं आ रहा यह चार्जिज़ किस लिए हैं। वहीं विभाग का कहना है कि ये चार्जेज़ केवल उन उपभोक्ताओं के लिए हैं जिनका बिजली ख़र्च स्वीकृत करवाए गए लोड से ज़्यादा है। दरअसल बिजली विभाग के उपभोक्ताओं को दिए जा रहे झटके से लोग काफ़ी परेशान नजर आ रहे हैं। इस बार बिजली विभाग द्वारा बिजली बिलों के साथ नान ऐनर्जी चा. र्जिज़ लग कर आ रहे हैं। इसको लेकर लोग बिजली दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं और पूछ रहे हैं कि आखिर उनके बिजली बिलों में यह नया चार्ज क्यों जोड़ा गया है। लोगों का कहना है उनके बिजली बिल में इस बार नॉन एनर्जी चार्जिज़ जोड़े गए हैं जिससे उनका रेगुलर बिल ज्यादा आ रहा है। कई लोगों ने बताया कि इसका कोई संतोषजनक जवाब उपभोक्ताओं को बिजली विभाग से नहीं मिल पा रहा। लोगों को आ रही परेशानी व बढ़े हुए बिजली बिलों के कारणों के बारे जब अधिकारियों से बात की गई तो अम्बाला आ. परेशन सर्कल के अधीक्षक अभियंता विनय कुमार बरनवाल ने बताया कि यह राशि उन्हीं उपभोक्ताओं के बिलों में जुड़कर आ रही है जो कम लोड लेकर ज्यादा बिजली की खपत कर रहे हैं। बिजली निगम यह राशि एडवांस कंज़म्पशन डिपोजिट यानी एसीडी के रूप में ले रहा है। मालूम हो कि नए डिजिटल मीटर में यह पता लग जाता है कि यह उपभोक्ता खपत से ज़्यादा बिजली का इस्तेमाल कर रहा है। लोड बढ़वाने को लेकर बिजली विभाग ने लोगों को पिछले दिनों चेताया भी था।

भारतीय मूल के उद्यमी को 'ऑर्डर ऑफ़ कनाडा'

ओटावा, भारत में जन्मे उद्यमी फ़िरदौस खरास को मानव–केंद्रित मीडिया के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए देश के सर्वोच्च सम्मानों में शामिल 'ऑर्डर ऑफ़ कनाडा' के एक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। वर्ष 2023 के लिए 'ऑर्डर ऑफ़ कनाडा' की नियुक्तियों की वार्षिक सूची कनाडा की गवर्नर जनरल मैरी साइमन ने बृहस्पतिवार को जारी की। 'ऑर्डर ऑफ़ कनाडा' देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह समाज के सभी क्षेत्रों के उन लोगों को मान्यता देता है, जिन्होंने कनाडा में असाधारण और निरंतर योगदान दिया है। साइमन ने 'ऑर्डर ऑफ कनाडा' में 78 नई नियुक्तियों की घोषणा की, जिनमें तीन 'कम्पैनियन', 15 अधिकारी, एक मानद अधिकारी और 59 सदस्य शामिल हैं। खरास (68) को ''एक सामाजिक उद्यमी, मानवतावादी और जन संचार मीडिया निर्माता के रूप में मानव–केंद्रित मीडिया के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए'' 'ऑर्डर ऑफ़ कनाडा' का अधिकारी नियुक्त किया गया।खरास ने एक बयान में कहा, ''मैं इस उच्च सम्मान को पाकर बहुत अभिभूत हूं, जो खासकर एक प्रवासी के रूप में मेरे लिए बहुत मायने रखता है। भले ही पारसी समुदाय ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन कनाडा में उनकी संख्या बहुत कम यानी मात्र 3,600 है, इसलिए इस प्रकार का सम्मान मिलना बहुत ही संतोषजनक है।''

कांग्रेस, आप से होते हुए अशोक तंवर भाजपा में शामिल

चंडीगढ़ : हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की कैम्पेन कमेटी के चेयरमैन रहे डॉ अशोक तंवर ने शनिवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। सीएम मनोहर लाल ने केंद्रीय नेताओं की मौजूदगी में उनकी पार्टी में एंट्री करवाई। तंवर सिरसा से सांसद भी रहे हैं। तंवर के साथ आम आदमी पार्टी छोड़कर अनेक समर्थक भी भाजपा में शामिल हुए हैं। नयी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं केंद्रीय कार्यालय प्रभारी अरुण सिंह, भा. जपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया सह–प्रमुख डॉ संजय मयूख की उपस्थिति में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

हरियाणा के 14 ज़िलों में गिरा लिंगानुपात

चंडीगढ़ : हरियाणा के 14 शहरों के लिंगानुपात में कमी दर्ज की गई है। वहीं जन्म के समय लिंगानुपात में पिछले साल की तुलना में एक अंक की भी गिरावट आई है। 2023 में प्रति एक हज़ार लड़कों पर 916 लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया है, जबकि 2022 में 917 था। हालांकि 2021 में यह आंकड़ा 914 था। मगर पुराने आंकड़ों को देखे तो 2019 में 923 पहुंच गया था। राष्ट्रीय स्तर की तुलना में भी हरियाणा का लिंगानुपात काफ़ी पीछे है। राष्ट्रीय औसत 933 है। कम होते लिंगानुपात पर सरकार गंभीर है।

रोहतक में सबसे ज़्यादा 53 अंकों की गिरावट

2023 में जिन शहरों के लिंगानुपात में गिरावट दर्ज की गई है, उनमें फतेहाबाद, नूंह, सिरसा, यमुनानगर, जींद, कैथल, पानीपत, अंबाला, चरखी दादरी, सोनीपत, महेंद्रगढ़, रोहतक, करनाल और भिवानी शामिल हैं। वहीं, गुरुग्राम, पलवल, कुरुक्षेत्र, फरीदाबाद, पंचकूला, हिसार, रेवाड़ी और झज्जर में वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले साल प्रदेश में कुल 5,50,465 बच्चों ने जन्म लिया। इनमें 2,87,336 लड़के और 2,63,129 लड़कियां शामिल थीं। एसआरबी के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच ऐसे शहर हैं, जिनका लिंगानुपात 900 से नीचे दर्ज किया गया है। इनमें सबसे खराब स्थिति रोहतक की है। 2022 में रो. हतक का लिंगानुपात 936 था, जो 2023 में घटकर 883 रह गया। 53 प्वाइंट की गिरावट है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ज्योति संग द्वारा पुन्डीयाशणी प्रिंट 'ओ' ग्राफ़ एस 39, ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया फेस-2 नई दिल्ली-110020, से मुद्रित कराकर कार्यालय 1ए इन्दिरा गांधी कॉलौनी सेक्टर 21-बी,फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित किया गया।R.N.I.Title Code No. HARHIN11555 Dated 06/06/2023 Mob. 9999100867.

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 13

आप सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक
शुभकामनाएं

अजय गौड

आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं।

सुमित गौड़
प्रदेश प्रवक्ता,
हरियाणा कांग्रेस कमेटी

प्रदेशवासियों को

गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक
शुभकामनाएं

सरदार जसवंत सिंह
पूर्व पार्षद नगर निगम एवं समाजसेवी

गणतंत्र दिवस की

हार्दिक
शुभकामनाएं

श्री जोनाथन जेकब

आप सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

ANUPAM SWEETS HOUSE

OSWAL

OSWAL ELECTRICALS PRIVATE. LIMITED

AN ISO/TS 16949: 2002 & ISO 14001 Certified Company

Manufacturers and Expotters of

ALUMINIUM PRESSURE DIE CASTED COMPNENTS

WITH-IN- HOUSE MACHINING, PAINITING &
DIE DESIGN/ MFG.7 ASSEMBLY FACILITIES

Suppllers to the leading two wheelers,4 wheelers Auto-mobile,Fan Refriferation motors, LED lighting partsand other prominenet industries in india & abroad

Regd Office& plant: plot No 49 Industrial Area NIT Faridabad-121001
Haryana (india) Pn: (0129) 4250000 Fax : (0129) 2232111/40029094
E-mail OSwal@oswal esstings.co.in Ph. 9818687218

Project23 final----------A:Layout 1 1/28/2024 1:53 PM Page 14

सभी हरियाणा वासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

पूर्व आईएएस हुकुम सिंह राणा

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

महान भारत के हर
स्वाभिमानी नागरिक
को नमन
जयहिन्द

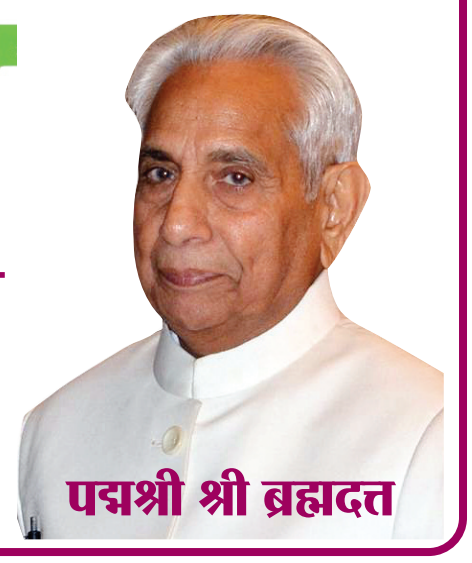

पद्मश्री श्री ब्रह्मदत्त

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
प्रमुख उद्यमि एवं समर्पित समाजसेवी

सरदार अमरजीत सिंह अहूजा

हरियाणा के हर प्रबुद्ध नागरिक को
गणतंत्र दिवस की
अनगिनत हार्दिक
शुभकामनाएं

फरीदाबाद साहित्य के संस्थापक श्री के.के बहल

JIVA
PUBLIC SCHOOL

EDUCATION
beyond
CLASSROOM

Character Building
Holistic Well-Being
Personalized Education
Skill Excellence

ADMISSIONS OPEN
2024-2025
NURSERY TO GRADE 11
CALL US 704 297 4646

To know more about
Jiva Public School

Jiva Marg, Sector-21B, Faridabad, Haryana
www.jivapublicschool.com | jps@jiva.com

Veethree
We Deal in Quality with Presence All Over The World

Manufacturers & Exporters of Automotive Instruments & Electronic Clusters
Indication Instruments Ltd.
Plot 19, Sector 6
Faridabad – 121006 (Haryana)
Email: mail@veethree.com
Website: www.veethree.in